आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ ...

● वर्ष- 15 अंक 127- ● जबलपुर ● मंगलवार, 8 जून, 2021 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष -13 ● विक्रम संवत् 2078 शके 1935

महामारी के बाद की अद्भुत कहानी 'स्वीट टूथ'

स्मार्ट टेलीविजन पर पूरे परिवार के साथ बैठकर कोई फिल्म या वेब सीरीज नहीं देखी है तो नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'स्वीट टूथ' खास आपके लिए है। आठ एपीसोड की इस सीरीज को देखकर ऐसा लगेगा कि ये कहानी शायद दुनिया में कोरोना संक्रमण फैलने के बाद लिखी गई है लेकिन ये एक अजब संयोग भर है। कोरोना के आने से पहले ही जेफ लेमायर अपनी कॉमिक सीरीज के तमाम अंक निकाल चुके थे।

सांसद नवनीत का जाति प्रमाण पत्र निरस्त

महाराष्ट्र के अमरावती से निर्दलीय सांसद नवनीत राणा को बॉम्बे हाईकोर्ट से झटका लगा है। अदालत ने नवनीत राणा के जाति सर्टिफिकेट को खारिज कर दिया है। नवनीत राणा पर फर्जी दस्तावेज के आधार पर कास्ट सर्टिफिकेट बनवाने का आरोप था। गौरतलब है कि नवनीत राणा के जाति प्रमाणपत्र को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच में याचिका दायर की गई थी।

करोड़ों की दवा बिक गईं, संतुलित आहार व सकारात्मकता पर आकर देश खड़ा

नई दिल्ली। कोरोना के चिकित्सकीय प्रोटोकॉल में बड़े बदलाव होने पर डॉक्टर, वैज्ञानिक और शोद्यार्थी काफी आश्चर्यचकित हैं। इनका कहना है कि आज भारत के नए प्रोटोकॉल को देख साक्ष्य आधारित चिकित्सा के पितामह डेविड सैकेट काफी प्रसन्न होंगे। महीनों पहले ही इन दवाओं को विज्ञान जगत ने बेअसर बताया लेकिन फिर भी भारत सरकार के प्रोटोकॉल में ये दवाएं शामिल रहीं। इसका परिणाम यह था कि 12 महीने में करोड़ों रुपये की दवाएं बाजारों में बिक गईं। वहीं करोड़ों रुपये की कालाबाजारी से दवा कंपनियों को कमाई भी हो गई। विशेषज्ञों का कहना है कि साल भर में करोड़ों रुपये की कालाबाजारी, दवा कंपनियों को मुनाफा और भारत सरकार की समितियों में बैठे प्रतिनिधियों के बेतुके फैसले लेने के बाद अंत में संतुलित आहार और सकारात्मकता पर ही आकर देश खड़ा हो गया। मीडिया ने इन दवाओं को लेकर सबसे पहले 16 सितंबर 2020 को खुलासा किया था कि बगैर जांच-परख लोग करोड़ों रुपये की दवाओं का सेवन कर चुके हैं लेकिन इन दवाओं का कोई साक्ष्य विज्ञान को नहीं मिला है। तब से लेकर अब तक छह बार राष्ट्रीय कोविड उपचार प्रोटोकॉल की अहम खामियों के बारे में जानकारी दी। इन पर संज्ञान लेते हुए सरकार ने एडीआर रिपोर्टिंग के लिए 18001803024 हेल्पलाइन नंबर तक जारी किया, लेकिन प्रोटोकॉल से बगैर साक्ष्य वाली दवाओं को नहीं हटाया गया।

कोरोना प्रोटोकॉल का सच

अचानक से साक्ष्य आधारित चिकित्सा प्रोटोकॉल

महाराष्ट्र के सेवाग्राम स्थित कस्तूरबा गांधी अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एसपी कलंत्री कहना है कि पहले तो उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ कि अचानक से साक्ष्य आधारित चिकित्सा प्रोटोकॉल कहां से आ गया? उन्होंने कहा कि भारत सरकार के इस प्रोटोकॉल को देख साक्ष्य आधारित चिकित्सा के जनक डेविड सैकेट बहुत खुश होंगे। कोरोनिल और 2 डीजी जैसी दवाओं का सरकार ने खूब प्रमोशन किया लेकिन अब इनका जिक्र तक नहीं है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी एचसीक्यू दवा का सेवन किया और तब भारत में इसे एक बड़ी उपलब्धि बताया जा रहा था। इससे अधिक और क्या मजाक हो सकता है? वहीं आईएमए के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजीव जयदेवन का कहना है कि कई बार टास्क फोर्स और अन्य समितियों में बैठे प्रतिनिधियों पर संदेह होता है। नए प्रोटोकॉल बेहतर हैं लेकिन आईसीएमआर और एम्स के पुराने प्रोटोकॉल का क्या है? इस पर कोई जानकारी है। दोनों ही अलग-अलग हैं। एक प्रोटोकॉल बनता है और पूरे देश में महीने भर में करोड़ों रुपये की दवा बिक जाती है। फिर पता चलता है कि उसका तो कोई असर ही नहीं है। यानी पूरी तरह से मजाक बना हुआ है। नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल, आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. बलराम भार्गव, एम्स के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया, आईसीएमआर के पूर्व संक्रामक रोग प्रमुख डॉ. रमन आर गंगाखेड़कर, वर्तमान प्रमुख डॉ. समीरन पांडा, स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव कुमार अग्रवाल सहित इन सभी के अनुसार देश में 80 फीसदी मरीज बिना या हल्के लक्षण वाले हैं। इसका मतलब साफ है कि 80 प्रतिशत मरीजों को दवा नहीं लेनी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की मुख्य वैज्ञानिक डॉ. सौम्या स्वामीनाथन ने सोशल मीडिया पर नए चिकित्सीय प्रोटोकॉल को बेहतर बताते हुए कहा कि यह काफी सरल और आसान भाषा में है। इसे सरकारों को क्षेत्रीय भाषा में भी प्रकाशित करना चाहिए ताकि अच्छे से

फटाफट खबरें

भाजपा ने की पीएम की तारीफ, विपक्ष बोला- देर आए, दुरुस्त आए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज (7 जून) देश को संबोधित किया। उन्होंने 21 जून यानी योग दिवस से 18 साल से ज्यादा उम्र के सभी लोगों के लिए टीकाकरण मुफ्त करने का एलान किया। साथ ही, दिवाली तक देश के 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त अनाज देने की घोषणा की। हालांकि, कोरोना की दूसरी लहर के दौरान हुए कुप्रबंधन के लिए राज्य सरकारों को जिम्मेदार ठहराया। अब पीएम मोदी के भाषण पर सियासत शुरू हो गई है। भाजपा नेताओं ने पीएम मोदी के एलान का स्वागत किया, जबकि विपक्षी नेताओं ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि देर आए, दुरुस्त आए।

पुणे में अब तक 18 की मौत, कई झुलसे

पुणे। एक फैक्ट्री में लगी आग में अब तक 18 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि इस दुःखद समय में परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मरने वालों के परिवार को 2 लाख रुपये प्रत्येक परिवार सहायता का ऐलान किया। यह राशि पीड़ितों को पीएम नेशनल रिलीफ फंड से मिलेगी। जबकि इस हादसे में घायल हुए लोगों को पचास हजार रुपये देने का ऐलान किया गया है। घटना पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने भी दुख जताया है।

महाकाल दर्शन पर 15 जून को विचार

उज्जैन। कोरोना संक्रमण कम होने के चलते रियायत का दायरा बढ़ रहा है। सोमवार को हुई आपदा प्रबंधन समिति की बैठक में जिले की दुकानों को शाम सात बजे तक खोलने की अनुमति दे दी गई। पहले यह सीमा शाम छह बजे तक थी। इस बीच महाकाल मंदिर में भक्तों को प्रवेश देने संबंधी अटकलों पर फिलहाल विराम लग गया। बैठक में इस पर कोई चर्चा नहीं हुई। समिति सदस्यों ने बताया इस पर 15 जून के बाद ही कोई निर्णय लिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार दर्शन के लिए वैक्सीनेशन प्रमाण-पत्र की अनिवार्यता की जा सकती है।

1 लाख से कम केस, दो माह बाद राहत में देश

नई दिल्ली, भोपाल। ।
देश में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर धीरे-धीरे थमती जा रही है। बीते 24 घंटे में 1 लाख से भी कम नए कोरोना संक्रमित केस मिले हैं, वहीं 2000 से ज्यादा कोरोना संक्रमित मरीजों की मौत दर्ज की गई है। बीते 68 दिनों में ऐसा पहली बार हुआ है जब देश में एक दिन में 1 लाख से कम कोरोना संक्रमण के मामले सामने आए हैं। साथ ही 49 दिनों बाद पहली बार इतने कम लोगों की मौत 24 घंटे के दौरान हुई है।

संख्या 8,17,012 हो चुकी है, वहीं सोमवार को संक्रमण के कारण 11 लोगों की मौत हो गई। गुजरात में अभी तक कोरोना से 9444 लोगों की मौत हो गई है। इधर महाराष्ट्र की बात की जाए तो अकेले मुंबई में ही कोरोना संक्रमण के 728 नए मामले सामने आए हैं और 980 लोग कोरोना से ठीक हुए हैं। साथ ही बीते 24 घंटे में मुंबई में 28 लोगों की मौत हो गयी है। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा कोरोना संक्रमण का खतरा राजधानी मुंबई में ही है।

पुडुचेरी में 14 दिन के लिए बढ़ा लॉकडाउन

देश में कोरोना संक्रमण जहां थम रहा है, वहीं पुडुचेरी में अभी भी संक्रमण दर ज्यादा बनी हुई है, इसलिए सरकार ने यहां 14 जून तक के लिए लॉकडाउन को आगे बढ़ा दिया है। वहीं केरल में भी 17 जून तक के लिए लॉकडाउन को बढ़ा दिया गया है। केरल में अभी भी कोरोना संक्रमण के ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। गुजरात में बीते 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 778 नए केस सामने आए हैं। राज्य में अभी तक कोरोना संक्रमितों की

मध्य प्रदेश में 571 नए केस

मध्य प्रदेश में बीते 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 571 नए मामले मिले हैं। मध्यप्रदेश में अभी तक कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या 7,85,767 हो चुकी है और बीते 24 घंटे में 32 लोगों की मौत हुई है। इधर पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ में बीते 24 घंटों में 1258 नए मामले मिले हैं। राज्य में संक्रमितों की संख्या 9,81,860 हो चुकी है। सोमवार को प्रदेश में 514 लोग कोरोना संक्रमण से मुक्त हुए हैं।

महात्मा गांधी की पड़पोती को जेल

62 लाख रुपये हड़पने का आरोप, दक्षिण अफ्रिका कोर्ट ने सुनाई सजा

जोहानिसबर्ग। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पड़पोती को दक्षिण अफ्रीका की एक कोर्ट ने फर्जीवाड़ा मामले में जेल भेज दिया है। 56 साल की आशीष लता रामगोबिन को डरबन कोर्ट ने उन्हें 62 लाख रुपये की धोखाधड़ी और जालसाजी मामले में सात साल जेल की सजा सुनाई है। 7 जून को कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया, जिसमें आशीष लता रामगोबिन को दोषी करार दिया गया। लता रामगोबिन स्थानीय कारोबारी को मुनाफे का लालच देकर उससे 62 लाख रुपये ऐंठ लिए थे। धोखाधड़ी का शिकार हुए एसआर महाराज ने बताया कि लता ने उन्हें मुनाफ का लालच देकर उनसे रुपये लिए थे। लता पर बिजनसमैन एसआर महाराज को धोखा देने का आरोप लगा था। बता दें कि लता रामगोबिन मशहूर मानवाधिकार इला गांधी और दिवंगत मेवा रामगोबिन की बेटी हैं। डरबन स्पेशलाइज्ड कमर्शियल क्राइम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान बताया कि लता रामगोबिन ने न्यू अफ्रीका अलायंस फुटवियर डिस्ट्रीब्यूटर्स के डायरेक्टर महाराज से अगस्त 2015 में मुलाकात की थी। कोर्ट में लता ने बताया कि उसने एसआर महाराज से एक कंपनी की आयात लागत और सीमा शुल्क का भुगतान करने के लिए पैसे की कमी थी। लता ने महाराज से 62 लाख रुपये की मांग की साथ ही कंपनी के साथ कंट्रेक्ट वाला पेपर भी उन्हें दिखा दिया, लेकिन बाद में पता चला कि जो पेपर महाराज को दिखाया गया, वह नकली था ।जा चुकी है। राज्य में संक्रमितों का आंकड़ा भी 58 लाख को पार कर गया है, जो फ्रांस में पाए गए कुल संक्रमितों से ज्यादा है। हालांकि, मरीजों के उबरने की दर बढ़कर 95.05 फीसद हो गई है।

12 महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने वाला गिरफ्तार

नवी मुंबई पुलिस ने 32 साल के एक मैकेनिकल इंजीनियर को 12 महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान महेश उर्फ करण गुप्ता के रूप में हुई, जिसे सोमवार को मुंबई के मलाड इलाके से गिरफ्तार किया गया। पुलिस करीब चार महीने से आरोपी की तलाश कर रही थी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने मेट्रिमोनियल वेबसाइट्स पर कई फर्जी प्रोफाइल बना रखी थीं, जिससे वह उच्च शिक्षा प्राप्त महिलाओं को झांसे में लेता था। इन वेबसाइट्स के माध्यम से वह महिलाओं के संपर्क में आने के बाद उनसे फोन पर बातचीत करता था और पब, रेस्तरां या मॉल में मुलाकात करता था। मुलाकात के दौरान करता था यौन शोषण दौरान आरोपी युवक महिलाओं का यौन शोषण करता था।

नवजोत सिंह सिद्धू को हाईकमान का झटका! अमरिंदर ही होंगे पंजाब में कांग्रेस का चेहरा

चंडीगढ़। कैप्टन अमरिंदर सिंह पंजाब में कांग्रेस का प्रमुख चेहरा हैं और पार्टी किसी भी स्तर पर उन्हें अनदेखा करने का जोखिम मोल नहीं ले सकती। प्रदेश इकाई में कैप्टन की कार्यप्रणाली को लेकर हाल में हुई उठापटक और पार्टी हाईकमान द्वारा विवाद सुलझाने की कोशिश के नतीजे के रूप में यह बात प्रमुख रूप से उभरकर सामने आई। कांग्रेस 2022 का पंजाब विधानसभा चुनाव कैप्टन के नेतृत्व में ही लड़ेगी और टिकट बांटने में भी कैप्टन की अहम भूमिका होगी। हाईकमान की तीन सदस्यीय कमेटी ने पिछले हफ्ते पंजाब के नाराज कांग्रेस नेताओं की शिकायतें सुनने के बाद भले ही उन्हें यह भरोसे का लॉलीपाप दिया है कि सभी नेताओं को पार्टी में पूरा सम्मान मिलेगा लेकिन कैप्टन को लेकर भी साफ कर दिया है कि पंजाब में पार्टी का नेतृत्व कैप्टन ही करेंगे। पंजाब मामलों के प्रभारी हरीश रावत पहले ही साफ कर चुके हैं कि कांग्रेस की परंपरा के मुताबिक पंजाब में कैप्टन ही पार्टी का नेतृत्व करेंगे। इस एलान ने विधायक नवजोत सिंह सिद्धू को प्रदेश इकाई का प्रधान पद देने की अटकलों पर सवालिया निशान लगा दिया है।

सच या मॉकड्रिल

आगरा के अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी से 5 मिनट में 7 मरीजों की मौत, 22 की अफवाह

आगरा। आगरा जिले में एक अस्पताल में तथाकथित मॉक ड्रिल के दौरान बड़ी लापरवाही सामने आई है। यहां एक निजी अस्पताल में ऑक्सीजन मॉक ड्रिल के दौरान सिर्फ 5 मिनट में भी 22 मरीजों की मौत का मामला सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मॉक ड्रिल के दौरान सिर्फ पांच मिनट में ही ऑक्सीजन की कमी के कारण 22 मरीजों की मौत हो गई है। अब सोशल मीडिया पर भी इस घटना का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में अस्पताल के मालिक बता रहे हैं कि 26 अप्रैल को ऑक्सीजन की कमी के कारण 5 मिनट के लिए ऑक्सीजन की सप्लाई को रोक गया था, ऐसे में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही थी कि

क्या गंभीर मरीज जरूरत पड़ने पर बिना ऑक्सीजन के भी जीवित रह सकते हैं। इधर आगरा के जिलाधिकारी ने आगरा के डीएम ने ऑक्सीजन की कमी से 22 मरीजों की मौत को सिरे से गलत बताया है। डीएम ने कहा कि 26 और 27 अप्रैल को ऑक्सीजन की कथित कमी के चलते 7 मरीजों की निजी अस्पताल में मौत हो गई। उन्होंने साफ किया कि निजी अस्पताल में 22 गंभीर मरीज भर्ती थे। उन्होंने यह भी कहा कि वायरल वीडियो के आधार पर हम इस मामले की पूरी जांच कर रहे हैं। दरअसल सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल हो रहा है, उसमें एक शख्स की आवाज सुनाई दे रही है, लेकिन कैमरे पर नहीं दिख रहा है और वह व्यक्ति कह रहा है कि 26 अप्रैल के दिन ऑक्सीजन की कमी के कारण केवल 5 मिनट के लिए ऑक्सीजन का सप्लाई रोका गया था।

मध्यप्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक जारी, कई मुद्दों पर हो रही चर्चा

भोपाल। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने मंत्रिमंडल की बैठक से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा द्वारा देश में टीकाकरण अभियान और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना में राशन वितरण के संबंध में लिए गए निर्णय पर उनका आभार माना। सीएम शिवराज ने मंत्री परिषद के सदस्यों को मूंग की समर्थन मूल्य पर खरीदी के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जूडा द्वारा हड़ताल वापस लिया जाना भी संतोष की बात है, यह एक सार्थक कदम है। सीएम ने प्रदेश में कोविड पर नियंत्रण के लिए क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटी, जनप्रतिनिधियों, विधायकों, सांसदों द्वारा किए गए प्रयासों के लिए आभार माना। उन्होंने कहा कि प्रदेश वासियों ने जिस धैर्य व संयम के साथ कोविड की स्थिति का सामना किया उसके लिए मैं उनका आभारी हूं। मंत्रिमंडल की बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर हो रही चर्चा।

पीएम मोदी से मिलने पहुंचे उद्धव ठाकरे

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में कोरोना संकट अभी भी गरमाया हुआ है। इसी बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे आज नई दिल्ली पहुंचे है। राज्य के डिप्टी सीएम अजित पवार के साथ लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास पर पहुंचकर उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान ठाकरे मोदी के साथ मराठा आरक्षण और चक्रवात ताउते पर राहत उपायों के लिए वित्तीय सहायता जैसे मुद्दों पर चर्चा करेगें। बतादें कि सुप्रीम कोर्ट से मराठा आरक्षण रद्द होने के बाद से राज्य में उद्धव ठाकरे की सरकार दबाव में है,

वैक्सीन पर कांग्रेस के सवाल नाजायज

भोपाल। प्रदेश के गृहमंत्री डॉक्टर नरोत्तम मिश्रा ने कहा है कि कोरोना वैक्सीन के मुद्दे पर कांग्रेस और कमल नाथ को सवाल उठाने का अधिकार नहीं है। डॉक्टर नरोत्तम मिश्रा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि जिनकी सरकारों ने पोलियो और चेचक की वैक्सीन बनाने में बरसों लगा दिए। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीके नेतृत्व में वैज्ञानिकों ने महामारी की वैक्सीन सालों में नहीं दिनों में बना दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश कोरोना से सामूहिक रूप से मुकाबला कर रहा है। प्रधानमंत्री ने 18 साल से अधिक उम्र वाले सभी लोगों को केंद्र सरकार की तरफ से फ्री वैक्सीन मुहैया कराने का निर्णय लिया है। इस जनहितैषी फैसले के लिए प्रधानमंत्री जी का आभार। संक्रमण से मुकाबले में अब प्रदेश जीत रहा है। प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 535 नए मामले सामने आए हैं,जबकि 1376 लोग स्वस्थ होकर घर गए हैं। प्रदेश में संक्रमण दर घटकर अब 0.7 5 प्रतिशत रह गई है,वहीं रिकवरी रेट 98 प्रतिशत तक पहुंच गया है। प्रदेश में वर्तमान में एक्टिव केसों की संख्या 7983 है। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण से मुकाबले में अब प्रदेश जीत रहा है। प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 535 नए मामले सामने आए हैं,जबकि 1376 लोग स्वस्थ होकर घर गए हैं। प्रदेश में संक्रमण दर घटकर अब 0.7 प्रतिशत रह गई है,वहीं रिकवरी रेट 98प्रतिशत तक पहुंच गया है। प्रदेश में वर्तमान में एक्टिव केसों की संख्या 7983 है।

गृहमंत्री डॉक्टर नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि कोरोना संक्रमण से मुकाबले में अब प्रदेश जीत रहा है।

वुहान लैब से ही लीक हुआ था कोरोना वायरस!

न्यूयार्क। चीन से निकल कर पिछले डेढ़ साल से कोरोना वायरस ने दुनिया भर में तबाही मचाई रखी है। कोरोना महामारी से अब तक दुनिया भर में करोड़ों लोग संक्रमित हो गए और लाखों लोग की जान चली गई है। लेकिन अब तक दुनिया इस सवाल का जवाब नहीं ढूढ़ पाई है कि कोरोना वायरस की उत्पत्ति कैसे हुई? हाल ही में एक नए अध्ययन में दावे के साथ कहा गया है कि कोरोना वायरस चीन के वुहान की उसी लैब में बना था, जिस पर दुनिया का शक है, लेकिन अब अमेरिकी लैब की एक रिपोर्ट ने इस पर मुहर भी लगा दी है।अमेरिकी सरकार कोरोना वायरस को लेकर रिसर्च करवा रही है। इसकी रिपोर्ट में

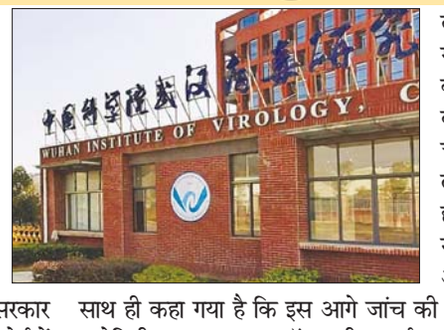

दावा किया गया है कि कोरोना वायरस के चीन की वुहान लैब से लीक होने की संभावना अधिक है। साथ ही कहा गया है कि इस आगे जांच की जानी चाहिए। अमेरिकी समाचार पत्र वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, इस अध्ययन को मई, 2020 में कैलिफोर्निया में लॉरेंस लिवरमोर नेशनल लेबोरेटरी ने रिसर्च पर काम करना शुरू किया था। ट्रंप के हटने से ठीक पहले स्टेट डिपार्टमेंट की तरफ से वायरस के मूल स्त्रोत को लेकर जांच करने के आदेश दिए थे। लॉरेंस लिवरमोर का मूल्यांकन कोविड-19 वायरस के जीनोमिक एनालिसिस पर आधारित है। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन ने कहा कि कोविड-19 की उत्पत्ति के बारे में जानकारी देने और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए वह अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ मिलकर चीन पर दबाव बनाना जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही अमेरिका अपने स्तर पर समीक्षा एवं प्रक्रिया को भी जारी रखेगा।

देश का पहला गांव जहां सौ फीसदी टीकाकरण

जम्मू। कश्मीर संभाग के बांदीपोरा जिले का गांव वेयान 18 से 44 आयु वर्ग में कोरोना वैक्सीन के 100 फीसदी लक्ष्य को हासिल करने वाला देश का पहला गांव बन गया है। इस राष्ट्रीय रिकॉर्ड के लिए जम्मू-कश्मीर मॉडल के तहत जिला प्रशासन ने टीकाकरण केंद्र में लोगों के आने का इंतजार करने के बजाय दुर्गम रास्तों और पहाड़ियों का सफर तय कर उन तक पहुंचकर टीकाकरण किया। सीएमओ बांदीपोरा डॉ. बशीर खान ने बताया कि वेयान गांव बांदीपोरा जिला मुख्यालय से 28 किलोमीटर दूरी पर स्थित है। वहां पहुंचने के लिए 10 किलोमीटर सड़क और बाकी 18 किलोमीटर पैदल चलना पड़ा। इंटरनेट की पहुंच नहीं है। इसलिए स्वास्थ्य अधिकारियों ने इस गांव में कठिन यात्रा के साथ कीमती जीवन बचाने का फैसला किया।

4 आयुध निर्माणियां 75 फीसदी के साथ शुरू

बेशक उत्पादन जरूरी मगर सुरक्षा चक्र नही टूटने की मांग

जबलपुर यशभारत।महिने भर के अंतराल के बाद आयुध निर्माणियों मे काम को पटरी पर लाने की कवायद तेज करते हुए सभी आयुध निर्माणियों मे75फीसदी संख्या बल के साथ शुरू कर दिया है।विसंगतियां पैदा न हो इसलिए चारों फैक्ट्रियों के महाप्रबंधकों ने वीडियो कांसफ्रेसिंग के माध्यम से चर्चा कर शनिवार को एक साथ आदेश जारी किए हैं।दूसरी ओर मजदूर संगठनों ने कहा कि उन्हें इसमेँ जरा भी आपत्ति नहीं है।प्रबंधन कर्मचारियों और उनके परिजनों के सुरक्षा चक्र का ध्यान जरूर रखे।लेकिन प्रबंधन सिर्फ उत्पादन को ज्यादा ध्यान में रखकर कदम उठा रहा है। उल्लेखनीय है कि डी ओ पी टी के आदेश मे16 जून तक आधे संख्या बल के साथ काम करने के निर्देश मार्ग दर्शिका मे दिये हैं।लेकिन साथ में एक लाइन यह भी जो?ी गई है कि विभाग प्रमुख विशेष परिस्थितियों मे कर्मचारियों की उपस्थिति में घट बढ़ कर सकते।दूसरी ओर दूसरे सुरक्षा संस्थान सी ओ डी और506आर्मी बेस वर्कशॉप मे50फीसदी के साथ काम कराया जा रहा।अधिकारिक सूत्रों के अनुसार अगले सप्ताह से धीरे धीरे कर्मचारियों की उपस्थिति बढ़ाई जाएगी।

विकलांग गर्भवतियों पर तो रहम करो*

ज्यों ज्यों करोना संक्रमण पर नियंत्रण हो रहा है सुरक्षा संस्थानों मे उपस्थिति ब?ने के साथ काम पटरी पर आता जा रहा है।लेकिन फैक्टरी प्रबधनों का विकलांग और गर्भवती महिलाओं के प्रति रवैया सकारात्मक नहीं है।श्रमिक नेताओं का कहना है कि कार्मिक मंत्रालय का साफ निर्देश है कि पूरी तरह सामान्य स्थिति होने तक विकलांग और गर्भवती महिलाओं को संस्थान में उपस्थिति में छूट देते हुए उन्हें वर्क फ्राम होम माना जाए लेकिन चारों आयुध फैक्ट्रियों के प्रबधनों ने विकलांग और गर्भवती महिलाओं को ड्यूटी आना आवश्यक किया है जो कतई उचित नहीं है।यूनियनों की मांग है कि डी ओ पी टी के निर्देशों का उल्लंघन नहीं होना चाहिये।साथ ही सभी कर्मचारियों और उनके परिजनों का शत प्रतिशत वेक्सीनेशन सुनिश्चित कर सुरक्षा चक्र पूरा किया जाना चाहिए ताकि कर्मचारी पूरे मनोयोग से उत्पादन पर ध्यान दे सके।

सबसे अच्छी व्यवस्था सेना वर्कशॉप मे

कोरोना काल में काम को सुचारू रूप से चलाने की व्यवस्था506आर्मी बेस वर्कशॉप मे है जहां प्रबंधन और कर्मचारी दोनों संतुष्ट नजर आ रहे हैं।उल्लेखनीय है कि पूर्व में व्यवस्था सही न होने से अनेक कर्मचारी संक्रमित हुए वहीं आधा दर्जन कर्मचारियों की मौत हो गई।स्थिति को अवगत कराने के लिए श्रमिक संघ के नेताओं ने महामंत्री वी दास के साथ ब्रिगेडियर को संस्थान के द्वार पर ही रोके कर पूरी स्थिति से अवगत कराया।इस कमांडेंट ने श्रमिक संघ हथौड़ा को कार्यालय में चर्चा के लिए बुलाया।जहां संघ के अध्यक्ष जे एस भाटिया आर के सोनी आदि से सौहार्दपूर्ण चर्चा के बाद न केवल पचास प्रतिशत उपस्थिति की अनुमति दी अपितु ड्यूटी आने वाले कर्मचारियों को भी दो पाली सुबह और दोपहर मेंआने की सुविधा दी।यही कारण है कि वहां सुचारु कार्य चल रहा है।

दिल के अंदर कृत्रिम छेद बनाकर चिकित्सकों ने बच्ची की बचाई जान

शहर के बड़ेरिया मेट्रो प्राइम मल्टी स्पेशियल्टी हास्पिटल में मध्य भारत की पहली बलून स्पटोटागी सर्जरी

जबलपुर। आमतौर पर अभी तक अपने सुना होगा कि बच्चों के दिल के छेद बंद करके चिकित्सकों ने उनकी जान बचाई है। लेकिन दमोहनाका स्थित बड़ेरिया मेट्रो प्राइम मल्टी स्पेशियल्टी हास्पिटल के केथ लेब (हार्ट सेंटर) के चिकित्सकों द्वारा डेढ़ माह की बच्ची के दिल में बलून पद्धति से कृत्रिम छेद कर उसकी जान बचाई है।

यही नहीं इस सर्जरी के ठीक बाद ही बच्ची का आक्सीजन लेवल जो कि 60 प्रतिशत था, वह भी बढ़ कर 90 प्रतिशत हो गया। दूसरे ही दिन बच्ची को लगा वेन्टीलेटर भी हटा दिया गया और अब बच्ची पूर्णत: स्वस्थ है। यह सर्जरी विक्टोरिया अस्पताल की अनुशंसा पर आरबीएस के योजना के अंतर्गत नि:शुल्क हुई है।

जबलपुर के पनागर निवासी रामलाल यादव अपनी डेढ़ माह की बच्ची रूचि यादव (परिवर्तित नाम) को लेकर दमोहनाका स्थित बड़ेरिया मेट्रो मल्टी स्पेशियल्टी हास्पिटल पहुंचे। यहां पर केश लेब के चिकित्सकों ने जांच कर देखा कि इस डेढ़ माह की बच्ची के दिल की जो दो बड़ी धमनियां है उनकी अदला बदली हो गई है। चिकित्सकों ने जांच के उपरांत सर्जरी करने का निर्णय लिया । डा. केएल उमागहेश्वर ने बताया कि सामान्यत: दाएं तरफ की धमनी के द्वारा गंदा खून फेफड़े में पहुंचाया जाता है और फेफड़े गदा खून साफ करके बाएं साइड के हार्ट में पहुंचाते है। बाएं तरफ की धमनी के द्वारा साफ खून शरीर में पहुंचाया जाता है। इस बच्ची के दिल में दोनों धमनियों की अदला बदली हो गई थी जिसके कारण शरीर में गंदा खून जा रहा और अच्छा खून फेफड़ों में जा रहा था, इसी के चलते बच्ची की आक्सीजन मात्रा भी 60 प्रतिशत से अधिक नहीं बढ़ रही थी। ये सब देखने के बाद चिकित्सकों ने जांच कर सर्जरी करने का निर्णय लिया।

यह थी बीमारी

हार्ट सेंटर के मुख्य चिकित्सक डॉ के एल उमामहेश्वर पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट ने बताया कि इस बीमारी को चिकित्सीय भाषा में ट्रांस पोजीशन ऑफ ग्रट आर्टीस कहते हैं। चिकित्सक डॉ के एल उमामहेश्वर कार्डियोलॉजिस्ट ने बताया कि यह बीमारी दस हजारा बच्चों में किन्हीं चार को होती है।

ऐसे हुआ ऑपरेशन

केथ लेब (हार्ट सेंटर) के प्रमुख चिकित्सक एवं पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट डॉ के एल उमामहेश्वर ने बताया कि वलून पद्धिति के द्वारा दिल में दायें और बाएं हिस्से के बीच एक छेद बनाया गया वह भी बिना किसी चीरे या टांके के जिसको कि अच्छा खून ज्यादा से ज्यादा शरीर में पहुंच सके और ऑक्सीजन की मात्रा अच्छी बनी रहे। इस पद्धति को चिकित्सीय भाषा में वलून स्पटोसार्टोमी कहा जाता है। जो संभवत: मध्य भारत में पहली बार हुई है। इस पूरी सर्जरी में डॉ के एल उमामहेश्वर के साथ डॉ सुंनील जैन ऐनेस्थियालॉजिस्ट एवं केथ लेब की टीम का विशेष सहयोग रहा। सीएचएमओ रत्नेश कोररिया, आरबीएस के कोआडीनेटर सुभाष शुक्ला एवं रोहित श्रीवास्तव का आरबीएस की योजना का लाभ दिलाने में विशेष योगदान रहा।

ये होती है परेशानी

हार्ट सेंटर के चिकित्सकों ने बताया इसमें ऑक्सीजन की कमी बनी रहती थी जिसके चलते शरीर भी नीला पड़ जाता था और सांस लेने में भी तकलीफ होती थी। और यह बच्ची पिछले सत दिनों से विक्टोरिया अस्पताल में भर्ती थी और ऑक्सीजन में थी। और वहां पर बच्ची की ऑक्सीजन लेबल 55 से 60 प्रतिशत था। शारीरिक विकास जो कि सामान्य तौर पर होना चाहिए उसमें भी कई तरह की शारीरिक बाधाएं आती हैं।

पेट्रोल, डीजल में साल में पहली बार इतनी तेजी

4 दिन में 57पैसे उछला पेट्रोल, डीजल में भी 60 की बढ़त

जबलपुर,यशभारत। पेट्रोल-डीजल के भावों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। जबलपुर में 2021 की 31 जनवरी को पेट्रोल 94.18 रु. पर था, जो आज मंगलवार 103.53 रु. प्रति लीटर हो गया। यानी करीब सवा चार महीने में में 9 रुपए 35 पैसे बढ़े। इसी तरह डीजल के दाम मंगलवार को 94.88 रु. है जबकि 2021 की 31 जनवरी को यह 84. 49 रुपए था। यानि आज के दिन तक डीजल में 10.34 रु. की वृद्धि हुई है। मप्र देश का पहला राज्य है जहां के हर जिले में पेट्रोल सौ रुपए प्रति लीटर के पार हो गया है। प्रदेश में पेट्रोल की औसत कीमत 102.92 रुपए प्रति लीटर देश में सबसे ज्यादा है। दूसरे नंबर पर राजस्थान है जहां औसत कीमत 101.30 रुपए प्रति लीटर है। सबसे सस्ता पेट्रोल आंध्र में 87.24 रुपए प्रति लीटर है यहां डीजल भी केवल 80.21 रुपए प्रति लीटर है।

ट्रांसपोर्ट्स ने 25प्रश तक बढ़ाया भाड़ा

ट्रांसपोर्ट्स पहले ही माल भाड़ा 20-25 फीसदी बढ़ा चुके हैं। एसोसिएशन ने सदस्यों को स्पष्ट कर दिया है कि लागत के अनुसार ही दाम लिए जाएं।

दोपहर में तेज हवाओं के साथ झमाझम

जबलपुर,यशभारत। मंगलवार सुबह से तेज धूप व उमस ने लोगों की बेचैनी बढ़ा दी थी पर दोपहर में तेज हवाओं के साथ हुई जोरदार बारिश से फौरी राहत मिल गई है समाचार लिखे जाने तक बारिश जारी थी। अचानक हुई बारिश से जनजीवन प्रभावित हो गया। तेज हवाओं के कारण कई जगह टीन टप्पर उड़ गए। पानी भी भर गया। नालियों का पानी सड़कों पर आ गया जिससे गंदगी फैल गई। पश्चिमी हवा 20 से 25 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चल रही है।मौसम विभाग के वैज्ञानिक सहायक देवेन्द्र तिवारी ने बताया कि अरब सागर से नमी भी आ रही है। अभी दक्षिणी पश्चिमी मप्र के ऊपर व राजस्थान के ऊपर हवा के कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। जिससे बकारश हो रही है। अगले तीन चार इसी तरह की बारिश हो सकती है। मानसून के पहले प्रदेश में प्री-मानसून गतिविधियां शुरू हो गई है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से नमी प्रदेश में आ रही है। इससे बादल बन रहे हैं। इसके कारण प्रदेश में बारिश हो रही है। उन्होंने बताया कि इस तरह की गतिविधियां मानसून के आने तक जारी रहेगी। प्रदेश में 15 जून तक मानसून आने का समय है। मौसम के मिजाज नरम-गरम बने हुए थे दिन में तेज गर्मी ओर दोपहर बाद अचानक बादल आ जाते हैं। सोमवार को दिन का पारा सामान्य से 3 डिग्री कम 38.1 था। जबकि आज का न्यूनतम पारा 28 डिग्री दर्ज किया गया। मानसून के दस्तक देने के बाद बंगाल की खाड़ी में पहली बार कम दबाव का क्षेत्र 11 जून तक बनने की संभावना है। यही सिस्टम मानसून को आगे बढ़ने में मदद करेगा। 15 जून के बाद बंगाल की खाड़ी में बनने वाले सिस्टम के असर से बारिश हो सकती है।

कर्मचारियों के वैक्सिनेशन की समय सीमा बढ़ाई जाए

15 जून के पहले वैक्सीनेशन कराना अनिवार्य

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संयुक्त समन्वय समिति के जिलाध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जबलपुर का पत्र क्रमांक/कोविड-19 टीकाकरण /2021 7561 जबलपुर दिनांक 02/06/2021 को पत्र जारी कर सभी विभागीय प्रमुखों को निर्देषित किया गया है कि आपके अधीनस्थ आने आने वाले समस्त लोक सेवकों को 15 जून के पहले वैक्सीनेषन कराना अनिवार्य है यदि 15 जून तक वैक्सीनेषन का प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया तो लोक सेवकों के जून माह का वेतन आहरण नहीं करने का तुगलगी फरमान जारी किया गया है जो कर्मचारी विरोधी आदेष है मानवता के खिलाफहै साथ ही इतने कम समय में सभी लोक सेवकों का वैक्सीनेषन होना संभव नजर नहीं आ रहा है अत: वैक्सीनेट कराने की अवधी बड़ाई जानी चाहिए, ताकि लोक सेवकों को समय मिल सके अपना रजिस्ट्रेषन कराने एवं अपना रूटीन टेस्ट कराने का जिससे बिना किसी परेशानियों के लोक सेवक वैक्सिीनेषन करा सकें। ऐसे सैंकड़ों लोक सेवक समस्त विभागों में कार्यरत हैं जो गंभीर बीमारियों जैसे हृदयाघात, शुगर, हाई बल्ड फैसर, बाईपास सर्जरी, माइग्रेन प्राबलम से ग्रसित हैं ऐसे में बिना डॉक्टर्स की सलाह के वे अपने मन से बैक्सीन नहीं लगा सकते और ऐसे में उन्हे अपनी स्थिति को सामान्य बनाने में समय लग सकता है तभी वैक्सीन करा पांएगे अत: संघ जिला प्रमुख से मांग करता है कि लोक सेवकों के लिए वैक्सीनेट कराने हेतु समय सीमा बड़ाई जाए।संघ के जिलाध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, मीनूकांत शर्मा, स्टेनली नॉबर्ट, कैलाष शर्मा, राकेश श्रीवास, नरेश शुक्ला, दिनेष गौड़, प्रशांत सोंधिया, मुनीर खान, आषाराम झारिया, एनोस विक्टर, संतोष श्रीवास्तव, गोपीशाह, अरूण जैन, शैलेष पंडिया, आदि ने जिला प्रमुख से मांग की है कि समस्त विभाग के लोक सेवकों के लिए वैक्सीनेषन हेतु समय सीमा बड़ाई जाए।

मधुमक्खी पालन उद्यम हुआ हाईटेक कुलपति डॉ. बिसेन

ज ने कृषि वि वि में मधुमक्खी पालन का वैज्ञानिक प्रबंधन विषय पर प्रषिक्षण

जबलपुर । जवाहरलाल नेहरू कृषि विष्वविद्यालय के बिजनेस प्लानिंग एवं डेवलपमेन्ट यूनिट एवं जवाहर राबी इंस्टिटयूट ऑफएग्री बिजनेस मैनेजमेंट द्वारा मधुमक्खी पालन का वैज्ञानिक प्रबंधन विषय पर 4 दिवसीय प्रषिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें देश के 12 प्रदेशों के 102 प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षित हुये। समारोह के अध्यक्ष कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन ने कहा कि मधुमक्खी पालन व्यवसाय अब परम्परागत तरीके से हटकर हाईटेक माध्यम से और अधिक सुदृढ़ तरीके से किया जाने लगा है। इसमें वैज्ञानिक तकनीक का महत्वपूर्ण योगदान है। मुख्य अतिथि अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे ने बताया कि मधुमक्खी पालन एक उच्च लाभ वाला व्यवसाय है जिसमें शुरू में किसी भारी निवेष की जरूरत नहीं पड़ती। आयोजक एवं नोड़ल अधिकारी डॉ. एस.बी. नाहतकर एवं विभिन्न विषय वस्तु विशेषज्ञों ने मधुमक्खी पालन के तकनीकी पहलुओं पर प्रकाष ड़ाला। कार्यक्रम का संचालन श्री अनुपमा वर्मा एवं आभार प्रदर्शन दीपक पाल ने किया।

मेरिट लिस्ट में आने वाले 500 कैंडिडेट वेरिफिकेशन में बाहर

जबलपुर। उच्च शिक्षक भर्ती परीक्षा-वर्ग-1 में मेरिट में आने वाले करीब 500 उम्मीदवारों को वेरिफिकेशन के बाद शिक्षा विभाग ने लिस्ट से बाहर कर दिया है। ये सभी वो उम्मीदवार हैं, जिन्होंने जीव विज्ञान के सहायक विषय जूलॉजी और बॉटनी के अलावा अन्य किसी सह विषय में पीजी किया है। इनमें माइक्रोबायोलॉजी- बायोटेक्नोलॉजी, फिशरीज जैसे करीब 13 सह विषय हैं, जिनको वैरिफिकेशन में अमान्य करार दिया गया है। अब वेरिफिकेशन में बाहर किए गए पीड़ि त उम्मीदवार इस फैसले के खिलाफ कोर्ट जाने की तैयारी कर रहे हैं। गौरतलब है कि सितंबर 2018 में शिक्षा विभाग द्वारा जारी विज्ञापन में इसका जिक्र नहीं किया गया था। विज्ञापन में जीव विज्ञान के शिक्षक के पद की घोषणा की गई थी। आवेदन के बाद फरवरी 2019 में भर्ती परीक्षा आयोजित की गई और सितंबर-19 में रिजल्ट जारी कर दिया गया। इसके बाद मेरिट में आने वाले उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी गई। इसके बाद वैरिफिकेशन का सिलसिला शुरू हुआ। पहली बार 1 जुलाई से 3 जुलाई 2020 तक चला। दूसरी बार मार्च-21 को शुरू हुआ और सात दिन बाद फिर टल गया और अब सोमवार 7 जून से फिर दस्तावेजों का वैरिफिकेशन शुरू हुआ है। पिछले वर्षों में सभी सह विषयों को किया गया था मान्य स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा वर्ष 2005, 2008 और 2011 की गई नियमित शिक्षकों की भर्ती में जीव विज्ञान के सभी 15 सह विषयों को मान्य किया गया है। वर्ष 2018 में अध्यापक संवर्ग को शिक्षक के रूप में संविलियन करते समय भी इन विषयों को मान्य किया गया।

मानसून पूर्व बाढ़ आपदा तैयारी की बैठक कल

जबलपुर। संभागायुक्त बी. चन्द्रशेखर की अध्यक्षता में बुधवार 9 जून को प्रात- 11 बजे से मानसून पूर्व बाढ़ आपदा तैयारियों की ऑनलाइन बैठक का आयोजन किया गया है।बैठक में आई.जी. पुलिस जबलपुर व बालाघाट, मुख्य वनसंरक्षक जबलपुर, सिवनी बालाघाट व छिंदवाड़ा सहित सभी जिला कलेक्टर्स, सी.ई.ओ. जिला पंचायत, नर्मदा घाटी विकास व म.प्र. विद्युत मंडल, लोक निर्माण विभाग एवं जिला संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता, आयुक्त नगर निगम जबलपुर और सभी जिलों के सी.एम.एच.ओ. सहित अन्य अधिकारी समीक्षा बैठक के दौरान ऑनलाइन जुड़ेंगे।

वैक्सीनेशन में युवा सबसे तेज

जबलपुर प्रदेश में तीसरा सबसे ज्यादा वैक्सीनेशन वाला शहर

जबलपुर। क्या आप जानते हैं कि वैक्सीनेशन की दौड़ में 18+ वाले युवा सबसे तेज दौड़े हैं। सिर्फ एक महीने में वह हर ऐज ग्रुप को पीछे छोड़ चुके हैं। प्रदेश में सिर्फ एक महीने में 18 से 44 साल उम्र वाले 42.12 लाख लोगों को वैक्सीन का पहला डोज लग चुका है, जबकि 60+ उम्र वालों को तीन महीने में 31.35 लाख, 45 से 59 साल उम्र वालों को 2 महीने में 39.23 लाख लोगों को वैक्सीन लगी है। कुल वैक्सीनेशन 1.12 करोड़ हो चुका है। यहां एक और रोचक जानकारी है कि प्रदेश में जहां 86.43 प्रतिशत लोगों ने कोविशील्ड वैक्सीन लगवाई है, तो दूसरी ओर महिलाओं से ज्यादा पुरुष वैक्सीन को लेकर जागरूक नजर आए हैं।

महिलाएं डरती रहीं, पुरुष आगे निकले

मध्य प्रदेश में कुल 3131 वैक्सीनेशन सेंटर पर बीते तीन महीने में 1 करोड़ 12 लाख 76 हजार 844 लोग वैक्सीन (पहला डोज) लगवा चुके हैं। इनमें से 62 लाख 97 हजार 691 पुरुष हैं, जबकि 49 लाख 77 हजार 081 महिलाएं हैं। यानी वैक्सीनेशन में 56त्न हिस्सेदारी पुरुषों की है, 44प्रश महिलाओं की है। महिलाओं को वैक्सीन या इंजेक्शन लगवाने में झिझक रही। जिस कारण वैक्सीन लगवाने में पुरुष बाजी मार ले गए। यह भी कह सकते हैं कि घर के पुरुष काम के सिलसिले में ज्यादा बाहर निकलते हैं, इसलिए पहले घर में उन्होंने वैक्सीन लगवाई।

प्रदेश में वैक्सीनेशन में तीसरे नंबर पर जबलपुर है। यहां करीब 98 दिन 147 सेंटर (सभी शासकीय) पर वैक्सीनेशन हुआ है। इनमें कुल 7 लाख 27 हजार 765 लोगों को वैक्सीन लग चुकी है। इसके अलावा 1 लाख 15 हजार 794 लोग वैक्सीन का दूसरा डोज भी ले चुके हैं। जबलपुर में महिलाओं के मुकाबले पुरुष वैक्सीन में आगे हैं, पर ज्यादा अंतर नहीं है। 3.32 लाख पुरुष तो 2.79 लाख महिलाएं टीका लगवा चुकी हैं। जबलपुर में अभी तक 74.94 त्न कोविशील्ड और 25.5 त्न कोवैक्सिन लगवा चुके हैं। यहां 60 उम्र वाले 1.45 लाख, 45-59 उम्र वाले 2.25 लाख, 18-44 उम्र वाले ग्रुप में 2.41 लाख लोगों ने वैक्सीन लगवा ली है।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम हेतु आवेदन आमंत्रित

जबलपुर । प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम वर्ष 2021-22 हेतु नवीन औद्योगिक सेवा इकाईयों की स्थापना हेतु आनलाइन आवेदन प्राप्त किये जा रहे हैं। व्यवसायिक गतिविधियों योजना में मान्य नहीं है।जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक देवव्रत मिश्रा ने बताया कि योजनांतर्गत 25 लाख रुपए तक की विनिर्माण इकाई एवं 10 लाख रुपये तक सेवा इकाई की स्थापना हेतु बैंकों से ऋण दिया जाता है, जिसमें 15 प्रतिशत से 35 प्रतिशत तक अनुदान देय है। आवेदक सभी आवश्यक दस्तावेजों यथा मशीनरी के कोटेशन, डीपीआर, मार्कशीट, आधारकार्ड व स्कोर कार्ड संबंधी सभी दस्तावेजों के साथ आनलाइन माध्यम से आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। अपूर्ण जानकारी अथवा अपर्याप्त दस्तावेजों के साथ प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों को मान्य नहीं किया जायेगा।

ब्लैक फंगस के मरीजों का एंफोटरइसिन बी इंजेक्शन लगवाने से इनकार, जबलपुर में रोक

जबलपुर। अब ब्लैक फंगस की दोहरी मार मरीजों पर पड़ रही है। पहले से ही इंजेक्शन की कमी से जूझ रहे मरीजों के सामने एंफोटरइसिन बी के रिएक्शन से और मुसीबत बढ़ गई है।जबलपुर में भी इंजेक्शन लगने के बाद कंपकंपी, बुखार और उल्टी के साइड इफेक्ट सामने आने पर अब मरीजों ने इंजेक्शन लगवाने से मना कर दिया है। मरीजों को जो इंजेक्शन गए हैं वे लक्ष121112 और 13 बैज नंबर के हैं।

जबलपुर मेडिकल कॉलेज ने इंजेक्शन लौटाने की बात कही है। चार दिन पहले हिमाचल के बद्दी स्थित एफी फार्मा से 12 हजार 400 इंजेक्शन इंदौर लाए गए थे। इसमें से जबलपुर के लिए 1 हजार भेजे गए थे। शुक्रवार से रविवार के बीच मेडिकल कॉलेज में ये इंजेक्शन दिए गए थे। इंजेक्शन देने के तुरंत बाद मरीजों में बेचैनी, उल्टी-दस्त, कंपकंपी और फीवर की शिकायत आने लगी। जबलपुर में ब्लैक फंगस की एंफोटरइसिन बी इंजेक्शन के 1000 हजार वॉयल आए थे। इसमें से 60 का उपयोग रविवार छह जून को किया गया था। 940 इंजेक्शन को वापस दवा स्टोर में रखवा दिया गया है। मेडिकल कॉलेज के डीन डॉक्टर प्रदीप कसार और अधीक्षक डॉक्टर राजेश तिवारी ने बताया कि अभी इस इंजेक्शन के प्रयोग पर रोक लगा दी गई है। सरकार को अवगत करा दिया गया है। ये सभी इंजेक्शन वापस लौटेंगे। जबलपुर में 50 लोगों में रिएक्शन हुआ था। मेडिकल कॉलेज में ईएनटी विभाग की प्रमुख डॉक्टर कविता सचदेवा ने बताया कि 450 लीपोसोमल एम्फोटेरिसिन-बी के इंजेक्शन मिल गए हैं। पहले भी यही इंजेक्शन लग रहा था। अभी 126 मरीजों को तीन-तीन इंजेक्शन दिए गए हैं। शासन स्तर पर और इंजेक्शन मिलने का आश्वासन मिला है। अभी सभी मरीज ठीक हैं। हालांकि वे थोड़ा डरे हुए हैं, लेकिन उन्हें यथास्थित बता दिया गया है।

ब्लैक फंगस के इलाज में न हो लापरवाही

युकां का मुख्यमंत्री के नाम अधिकारियों को ज्ञापन

जबलपुर । यह सुखद है कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के नेत्र रोग विभाग के डाक्टरों ने कोरोना के बाद फैली ब्लैक फंगस बीमारी के मामले में सजगता और तत्परता दिखाई।किंतु अब जबलपुर सहित इंदौर एवं सागर में सस्ते एवं गुणवत्ताहीन इंजेक्शन लगाने से ब्लैक फंगस मरीजों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ किये जाने के मामले में प्रशासनिक लापरवाही सामने आ रही है।जिसके विरोध में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सचिव रिजवान अली कोटी के नेतृत्व में सिविल सर्जन सी व्ही अरोरा के साथ सी एम एच ओ को मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

जबलपुर में 15 जून तक अनलॉक में बदलाव नहीं

खतरा अभी टला नहीं सतर्कता जरूरी

जबलपुर। अनलाक में लापरवाही न हो इसके लिए प्रशासन लगातार सख्त कदम उठा रहा हैं। राइट - लेफ्ट व्यवस्था के राहत दुकानें खोलने का कड़ाई से पालन कराया जा रहा है। उसके बावजूद लापरवाह लोग सड़कों पर बेखौफ होकर बिना मास्क के घूम रहे है और खुद के लिए भी और व्यापारियों के लिए भी मुसीबत पैदा कर रहे हैं। कोरोना कही फिर से कहर न बन जाए इसको ध्यान में रखते हुए जिला दंडाधिकारी व कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ने कोरोना कर्फ्यू में दी गई छूटों एवं प्रतिबंधों को 15 जून के लिए बढ़ा दिया है।

अभी 70 प्रतिशत के साथ ही खुलेगा बाजार

कोविड के आंकडे काबू में होने के बावजूद जिला प्रशासन कोई रिस्क लेने को तैयार नहीं है। जिला क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप की बैठक हुई। एक सप्ताह के अनलॉक की समीक्षा की गई। निर्णय हुआ कि अगले 15 जून तक अभी अनलॉक की वर्तमान व्यवस्था को ही यथावत रखा जाए।जिले में अभी लेफ्ट-राईट और जरूरी सामग्रियों खासकर रोजगार से जुड़ी गतिविधियों को ही चालू रखने का निर्णय लिया गया है। बाजार अभी 70 प्रतिशत ही खोला गया है। 30 प्रतिशत माल, होटल, रेस्टोरेंट, पिकनिक स्पॉट आदि के लिए पूर्व में जारी आदेश ही प्रभावी रहेगा। जिला दण्डाधिकारी एवं कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ने एक जून से जिले में कोरोना कर्फ्यू में दी गई छूटों एवं प्रतिबंधों की समयावधि बढ़ाकर इन्हें 15 जून की अर्द्धरात्रि तक यथावत रखा है। इस बारे में आज आदेश जारी कर दिया गया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि धारा 144 के तहत 31 मई को जारी आदेश तथा 3 जून को जारी संशोधित आदेश में जबलपुर जिले की राजस्व सीमा में कोरोना कर्फ्यू में दी गई छूट एवं प्रतिबंध 15 जून की अर्द्धरात्रि तक यथावत प्रभावी रहेंगे।

कहीं भारी न पड़ जाए लापरवाही

विशेषज्ञों का कहना है कि कोरोना की दूसरी लहर कमजोर पड़ी है उसके प्रकोप में कमी आई, खत्म नहीं हुई है लेकिन अधिकांश शहरवासी यह मान बैठे है कि कोरोना खत्म हो चुका है। इस समय सड़क पर अधिकतर राहगीर कान में मास्क लटकाए, गले में लटकाए, दफ्तर दुकान में बिना के काम करते हुए मिल जाएंगे। इसी तरह सेनिटाईजर का उपयोग और बार बार हाथ धोने में किए जा रहे आलस्य और लापरवाही कहीं भारी न पड़ जाए।

युवा पीढ़ी सबसे अधिक लापरवाह

जानकारों के मुताबिक अभी संकट टला नहीं है लेकिन जनसामान्य पता नहीं क्यों निश्चित नजर आने लगा है। सबसे ज्यादा परेशानी कुछ नई उम्र के लड़के लड़कियां है। इन्हें मास्क पहनने से खासा ऐतराज है। मास्क लगा भी है तो स्वास्थ्य कारण की बजाय पुलिस से बचने लगाया गया है। पास पास खड़े होकर बातचीत करना और ऊटपटांग ढंग से मास्क लटकाए रखने का शगल महंगा पड़ सकता है जो फिलहाल समझाने पर भी समझ नहीं आ रहा।

अंतरराज्यीय बसों के संचालन पर लगा रहेगा ब्रेक

जिले की सीमा से इंटर स्टेट सीमा के लिए संचालित होने वाली बसों पर रोक लगी रहने का आदेश पुन: जारी किया गया है। यह आदेश मध्य प्रदेश परिवहन विभाग के वरिष्ठ अफसर की ओर से जिला परिवहन अधिकारी को दिया गया है। इस आदेश से सीधे तौर पर छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के यात्री सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। यह आदेश 7 जून से 15 जून तक के लिए लागू रहेगा। प्रदेश सरकार ने जबलपुर शहर सहित अन्य शहरों को कोविड संक्रमण के वायरस से बचने के लिए यह कदम उठाया है। हालांकि बीते दिनों लॉकडाउन में राहत के बाद भी बसों के संचालन कोई छूट नहीं दी गई थी। संचालक पर रोक बने रहने को लेकर यह आदेश को पुन: बढ़ाया गया है। यह आदेश 7 जून को अपर परिवहन आयुक्त, राज्य परिवहन की ओर से जिला परिवहन अधिकारियों को जारी किया गया है।

शहर को साफ और सुंदर बनाने निगमायुक्त के प्रयास तेज

सफाई व्यवस्था में कसावट लाने मुख्य स्वच्छता निरीक्षकों का किया स्थानांतरण

जबलपुर। प्रशासनिक कार्य सुविधा की दृष्टि से एवं शहर की सफाई व्यवस्था में और अधिक कसावट लाने के उद्देश्य से निगमायुक्त संदीप जी आर ने चार प्रभारी मुख्य स्वच्छता निरीक्षकों के कार्यों में फेरबदल किया है। सभी चारों प्रभारी स्वास्थ्य निरीक्षकों को उनके वर्तमान संभागों से स्थानांतरित करते हुए निगमायुक्त संदीप जी आर ने उन्हें नए संभागों में प्रभारी मुख्य स्वच्छता निरीक्षकों का दायित्व सौंपा है।

निगमायुक्त संदीप जी आर द्वारा जारी आदेश में श्री कालूराम सोलंकी को संभाग क्रमांक 14 से संभाग क्रमांक 6, अतुल रैकवार को संभाग क्रमांक 5 से संभाग क्रमांक 13, संतोष गौर को संभाग क्रमांक 13 से संभाग क्रमांक 5 एवं अर्जुन यादव को मुख्यालय से संभाग क्रमांक 14 में स्थानांतरित किया है। निगमायुक्त संदीप जीआर ने बताया कि शहर की स्वच्छता में और अधिक सुधार लाने के लिए चार मुख्य प्रभारी स्वच्छता निरीक्षकों के कार्यों में फेरबदल करते हुए उनका स्थानांतरण किया गया है। निगमायुक्त ने कहा है कि शहर को साफ एवं स्वच्छ बनाने के कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी एवं कोई अपने कार्यों में ढिलाई बरतता है तो उनके खिलाफ कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। निगमायुक्त संदीप जी आर ने चारों मुख्य स्वच्छता निरीक्षकों को नए संभागों में जाकर वहां

किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की-संदीप जी आर*

के कार्यों में सुधार लाने के निर्देश दिए हैं। संदीप जी आर ने चारों प्रभारी मुख्य स्वच्छता निरीक्षकों को निर्देशित किया है कि वे अपने संभागों में जाकर अतिशीघ्र कार्यभार ग्रहण करते हुए स्वच्छता के कार्यों में और बेहतर सुधार करें साथ साथ जल प्लावन को रोकने हेतु नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे अभियान को भी गति प्रदान करते हुए सभी बड़े एवं छोटे नाले नालियों की सफाई सुनिश्चित करते हुए नियमित रूप से नालों से निकलने वाले कचरा एवं सिल्ट को उठाने का उचित प्रबंध करवाएं।

जरूरतमंदों को अनाज किट का वितरण

जबलपुर। कोविड 19 महामारी के कारण गरीब परिवार की आय का साधन पूरी तरह से बंद है ऐसे परिवार के सहयोग के लिये सेवा भारती महाकौशल प्रान्त , मध्यप्रदेश जन अभियान परीषद के माध्यम से रिलायंस फाउंडेशन ने मिशन अन्न सेवा प्रारम्भ की है इस कड़ी में भेड़ाघाट स्थित हरे कृष्ण आश्रम में सरस्वती घाट,लम्हेटा घाट, स्थित नाविकों को अनाज किट प्रदान की गई , सेवा ही परमोधर्म: की व्याख्या करते हुए सेवा भारती के प्रांतीय संघटन मंत्री महेश सोनी ने वर्चुअल उदबोधन सम्बोधित करते हुए नाविकों को अनाज की छोटी सी किट को स्वीकार करने का आग्रह किया इस अवसर पर नाविकों की समस्या को देखते हुए आश्रम के संस्थापक स्वामी रामचंद दास, भेड़ाघाट पंचायत के पूर्व अध्यक्ष अनिल तिवारी, डॉ शिव शंकर पटेल संजय गुप्ता ने ,भी संबोधित किया । आभार प्रदर्शन सेवा भारती के प्रांतीय सचिव अनिल शर्मा ने वर्चुआल प्रस्तुत किया।

अभिभावकों को कोरोना की वैक्सीन लगाने स्कूल परिसरों में लगेंगे कैम्प

जबलपुर। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप स्कूली बच्चों के अभिभावकों को कोरोना की वैक्सीन लगाने जबलपुर शहर में स्कूल परिसरों में वैक्सीनेशन कैम्प लगाये जायेंगे। कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ने आज वर्चुअल मीटिंग के माध्यम से जबलपुर शहर में प्रत्येक वार्ड में वैक्सीनेशन कैम्प लगाने के लिए उपयुक्त स्कूल को चिन्हित करने तथा उसके आसपास के सभी स्कूलों के विद्यार्थियों, माता-पिता एवं परिवार के सभी पात्र सदस्यों को कोरोना के टीके लगाने की रणनीति तैयार करने के निर्देश दिये। श्री शर्मा ने वर्चुअल मीटिंग में कहा कि स्कूली बच्चों के अभिभावकों के कोरोना के टीके लगाने आयोजित किये जाने वाले कैम्पों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये। उस स्कूल से क्षेत्र के अन्य सभी स्कूलों की मेपिंग की जाये तथा बीआरसी एवं स्कूल स्कूल प्राचार्य के माध्यम से बच्चों के अभिभावकों को टीके लगवाने फोन, व्हाट्सअप, एसएमएस के जरिये व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर प्रेरित किया जाये। कलेक्टर ने कहा कि जितनी जल्दी हो सके सभी स्कूलों बच्चों के अभिभावकों का टीके लगाना लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने चुनावी तर्ज पर टीकाकरण की मॉनीटरिंग करने की आवश्यकता भी बताई। श्री शर्मा ने कहा कि इसके लिए कोरोना कंट्रोल रूम में प्रत्येक वैक्सीनेशन कैम्प के लिए एक इंचार्ज अधिकारी बनाया जाये जो वैक्सीनेशन टीम के कैम्प पर पहुंचने की ओके रिपोर्ट लेने से लेकर हर तीन घंटे में वैक्सीनेशन की प्रगति की जानकारी एकत्र करेगा।

चुनावी तर्ज पर होगी मॉनीटरिंग ,कलेक्टर ने वीसी में अधिकारियों को दिये निर्देश

उन्होंने कहा कि इंचार्ज अधिकारी के अलावा प्रत्येक कैम्प के लिए एक मोबलाईजेशन अधिकारी को भी तैनात किया जाये जो कोरोना की रोकथाम के लिए वार्डवार गठित टीमों के सहयोग से वैक्सीन लगाने नहीं पहुंचे लोगों के संपर्क कर उन्हें टीकाकरण के लिए प्रेरित करेगा।

कलेक्टर ने कहा कि स्कूली बच्चों के अभिभावकों के लिए आयोजित किये जा रहे वैक्सीनेशन केम्पों में क्षेत्र के व्यापारियों को भी कोरोना के टीके लगाये जायेंगे। श्री शर्मा ने इसके लिए भी जरूरी व्यवस्थायें सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि व्यापारियों से कहा जाये कि यदि उन्होंने अभी तक वैक्सीन नहीं लगवाई है तो इन कैम्पों में जाकर जरूर लगवायें।

कलेक्टर ने वैक्सीनेशन कैम्पों में व्यवस्थाओं के लिए एनसीसी कैडेट्स और एनएसएस के छात्रों को तैनात करने का सुझाव दिया। उन्होंने सभी एसडीएम एवं नगर निगम के जोन अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र के वैक्सीनेशन कैम्प के लिए चिन्हित किये जा रहे स्कूलों का भ्रमण कर सभी जरूरी व्यवस्थायें सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये। वर्चुअल मीटिंग में नगर निगम आयुक्त संदीप जीआर स्मार्ट सिटी की सीईओ निधि सिंह राजपूत, सीएमएचओ डॉ. रत्नेश कुरिया, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. एसएस दाहिया, डीपीसी आरपी चतुर्वेदी जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल थे।

मोक्ष ने अपने भाई-बहन माता-पिता परिवारों को लगवाई वैक्सीन

जबलपुर, यशभारत।मोक्ष के आशीष ठाकुर को सूचना मिली कोविड-19 वैक्सीनेशन प्रशासन के द्वारा दिव्यांग जनों के लिए किया जा रहा है अंध मुख स्कूल बाईपास में सामाजिक न्याय के आशीष दीक्षित जिला कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ने नोडल अधिकारी डॉ दहिया को सूचित करते हुए मोक्ष के द्वारा पालन किए जा रहे हैं लावारिस जीवन पीड़ित मानवता के लिए तत्काल वैक्सीनेशन के आदेश दिए.. जिनमें से कुछ बुजुर्गों को वाहनों में व जो चल सकते थे उन्होंने पहुंचकर वैक्सीनेशन कराया। विगत दशकों में ऐसे कई सैकड़ों जीवन को मोक्ष ने अपना पिता माँ मान सेवाएं सहयोगीयों के माध्यम से निरंतर दी हैं रेडक्रॉस समिति जबलपुर के सदस्य भी हैं। मोक्ष कोरोना काल से कोविड शवों के संस्कार वर्तमान में भी जारी ससम्मान 2020 से अब तक लगभग 22 वर्षों से लावारिस शवों के अंतिम संस्कार एवं विरासत को जीवन देने की कोशिशें जारी.. सब के सरोकार सम्मिलित प्रयास से मोक्ष सेवा जारी।

युकां का प्रदर्शन ,सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। शहर में लगातार बढ़ रहे अपराध एवं चैकिंग के नाम पे आए दिन आम राहगीरों के साथ दुर्व्यवहार के विरोध में आज जबलपुर युवक कांग्रेस शहर अध्यक्ष जितिन राज के निर्देश से सभी थानों सहित लार्डगंज थाने में प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा गया.. जिसमे अंकुर गुप्ता, देवकी पटेल, मयंक सोनी, निखलेश विश्वकर्मा, नवीन अहिरवार, लल्ला उपस्थित थे.

पमरे मैं पर्यावरण की वर्चुअल प्रतियोगिता में पूछे गए प्रश्न

जबलपुर यश भारत। पश्चिम मध्य रेल के मुख्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में वर्चुअल ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन पमरे महाप्रबंधक शैलेन्द्र कुमार सिंह के मार्गदर्शन एवं अपर महाप्रबंधक शोभन चौधुरी के निर्देशन और मुख्य जनसंपर्क अधिकारी के नेतृत्व में आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में मुख्यालय और तीनों मण्डलों एवं दोनों कारखानों के अधिकारियों को मिलाकर कुल 10 टीमों ने भाग लिया। इस क्विज प्रतियोगिता के 10 टीमों में मुख्यालय की दो टीमों से चार अधिकारी , जबलपुर मण्डल की दो टीमों से चार अधिकारी, भोपाल मण्डल की दो टीमें से चार अधिकारी, कोटा मण्डल की दो टीमों से चार अधिकारी, सीआरडब्लूएस भोपाल की एक टीम से दो अधिकारी एवं डब्ल्यूआरएस कोटा की एक टीम से दो अधिकारी सहित कुल 20

सटीक उत्तर देने वाले रेल कर्मचारियों को महाप्रबंधक ने किया पुरस्कृत

अधिकारियों ने भाग लिया है। इस क्विज प्रतियोगिता के आरंभ में सभी उपस्थित अधिकारियों एवं भाग लेने वाले प्रतियोगियों का स्वागत किया गया। प्रतियोगिता को तीन चरणों में विभाजित किया गया। प्रत्येक चरण में 15 प्रश्न पूछे गए, इस प्रकार तीन चरणों में कुल 45 प्रश्न मुख्य जनसंपर्क अधिकारी राहुल जयपुरियार द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग माध्यम से पूछे गए। इस प्रतियोगिता में मुख्यत: प्रश्न विश्व पर्यावरण दिवस, जलवायु परिवर्तन एवं भारतीय पर्यावरण और वानिकी से सम्बंधित पर्यावरण संरक्षण पर आधारित थे। देश और विदेशों द्वारा पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त करने के लिए क्या-क्या उपाय किए गये और क्या-क्या प्रभावी रूप से किये जाना चाहिए। जिससे पर्यावरण प्रदूषण पर अंकुश लग सके। इस मंथन पर स्पष्ट संकेत देते हुए सभी प्रश्न अत्यंत प्रभावशाली एवं रोचक थे। इस स्वस्थ, अनूठी एवं ज्ञानवर्धक तथा देश हित प्रतियोगिता पर हर्ष व्यक्त करते हुए महाप्रबंधक द्वारा इसी तरह की प्रतोयोगिताओं को आगे भी जारी रखने के लिये प्रोत्साहित किया। प्रतियोगिता के तीनों चरणों के बाद कोटा मंडल की दोनों टीमों ने सबसे ज्यादा प्रश्नों के सही उत्तर देते हुए क्रमश: प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त कर सभी की सराहना प्राप्त की। महाप्रबंधक ने विजेता टीमों को प्रथम पुरस्कार ?5000/- और द्वितीय पुरस्कार ?3000/- की नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक ने सभी प्रतियोगियों को भविष्य और देश हित एवं लोक विषय पर और अधिक तैयारी कर प्रतियोगिता में

कोरोना संक्रमित सुरक्षा कर्मियों को विशेष अवकाश

ए आई डी ई एफ के लगातार पत्राचार से मिली सफलता

जबलपुर यशभारत।आयुध निर्माणियों मे कार्यरत सुरक्षा कर्मचारियों को जो कोरोना संक्रमण के कारण बीमार हो गए थे या परिवार के सदस्यों के बीमार होने पर क्वारंटीन रहते हुए ड्यूटी पर नहीं आ पाये ऐसे कर्मचारियों को अब उस काल के लिए असाधारण आकस्मिक अवकाश(ई ओ एल)मंजूर किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि कोरोना की पहली लहर के दौरान संक्रमित होने वाले कर्मचारियों को अपने खाते से अवकाश लेना पड़ता रहा।इस मामले को लेबर यूनियन की ओर से उठाया गया तथा ए आई डी ई एफ के संज्ञान में लाया।निर्माणी प्रबंधन ने जहां बोर्ड को मामला भेजा वहीं ए आई डी ई एफ के महासचिव सी श्री कुमार ने लगातार कार्मिक मंत्रालय और आयुध निर्माणी बोर्ड से पत्राचार करते हुए उन्हें स्मरण दिलाया कि कार्मिक प्रशिक्षण एवं जनशिकायत विभाग द्वारा सरकार के सिविल सेवा अधिनियम1972मे छुट्टी के जो प्रावधान है उसमें महामारी के तहत कर्मचारियों को असाधारण आकस्मिक अवकाश की पात्रता है।फेडरेशन के पत्र डी ओ पी टी द्वारा परीक्षण कर स्पष्ट करते हुए आयुध निर्माणी बोर्ड को कर्मचारियों को ई ओ एल के संबंध में मार्गदर्शिका जारी किया गया।तदानुसार अब केन्द्रीय सरकार के विभिन्न विभागों में कार्यरत ऐसे कर्मचारी और उनके परिजन कोरोना संक्रमित होने पर असाधारण आकस्मिक अवकाश के साथ वर्क फ्राम होम की पात्रता के साथ कर्मचारियों को नियमित किया जाएगा।

100 राशन किटों का वितरण

जबलपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सेवा भारती दुर्गावती नगर में नगर कार्यवाह बलराम पांडे की उपस्थिति में 100 राशन किटों का वितरण किया गया । अंगद फाउंडेशन सेवा संस्थान के जीतू कटारे ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की यह व्यवस्था पूरे 21 नगरों में की जा रही है राशन कीटों में 5 किलो चावल 5 किलो आटा 1 किलो छोला 2 किलो शक्कर 1 किलो नमक हल्दी मिर्च एवं धनिया के पैकेट है दुर्गावती नगर में देवताल रामायण मंदिर के पीछे की बस्ती में आज एक वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया आयोजन में जीतू कटारे बलराम पांडे नवीन वैश्य आयुष शुक्ला संजय पटेल राकेश सिंह प्रवीण लखेरा अतुल चौरसिया सुरेश श्रीवास्तव आदि सभी नगर स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

बिरसा मुण्डा की पुण्य तिथि कल

जबलपुर। आदिवासियों के मार्गदर्शक और पथ प्रदर्शक अमर शहीद बिरसा मुण्डा की पुण्य तिथि अखिल भारतीय आदिवासी शबरी संघ एवं कांग्रेस जनों द्वारा 9 जून को मनाया जाएगा। पूर्व मंत्री सुश्री कोशल्या गोंटिया ने बताया कि सुबह अधारताल तिराहे पर स्थित प्रतिमास्थल पर माल्यार्पण किया । इस दौरान कोविड नियमों का पालन किया जाएगा।

कठिन परिस्थितियों में भी रेल कर्मचारियों ने देश की सेवा की

जल्द से जल्द जारी किया जाना चाहिए महंगाई भत्ता

जबलपुर,यश भारत। कोविड-19 कोरोनावायरस संक्रमण चलते भी रेलवे कर्मचारियों ने परिवार की चिंता किए बगैर देश की सेवा करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई इसके बावजूद भी आज वह महंगाई भत्ते के लिए तरस रहे है इस संबंध में/एनएफआईआर के महामंत्री डॉ एम. राघवैय्या एवं एनएफआईआर के कार्यकारी अध्यक्ष तथा डब्ल्यूसीआरएमएस के अध्यक्ष डॉ आर. पी. भटनागर ने भारत की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामण को पत्र लिखकर केन्द्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स के फ्रीज किये गये मंहगाई भत्ते को जारी करने की मांग की।महामंत्री ने अपने पत्र में वित्त मंत्री का ध्यान ब?ती मंहगाई की ओर दिलाते हुए कहा कि कोविड की दूसरी लहर के चलते हुई बेतहाषा वृद्धि ने सभी परिवारो के बजट को अव्यवस्थित कर दिया है। उन्होंने वित्त मंत्री को बताया कि थोक मूल्य सूचनांक की तुलना

में खुदरा मंहगाई सूचकांक बहुत ब?ा है, इसलिए सरकार को मंहगाई नियंत्रित करने के ऐसे जतन करने चाहिए, जिससे आम आदमी की रोजमर्रा की जिदंगी सूकून से बीत सके। डब्ल्यूसीआरएमएस के महासचिव ने बताया कि 18 महीने के फ्रीज मंहगाई भत्ते के एरियर्स के भुगतान तत्काल होना चाहिए तथा कहा कि मंहगाई भत्ता भी वेतन का हिस्सा होता है। संयुक्त महामंत्री, प्रेस प्रवक्ता सतीश कुमार ने कहा कि इस महामारी में रेलकर्मियों ने अपने परिवार वालो की परवाह किया बगैर देश की सेवा की की। उन्होंने रेलकर्मियों के परिश्रम को देखते हुये मंहगाई भत्ता जल्द से जल्द जारी करने की अपील की।

इन्होंने की एरियर्स भुगतान की मांग

संघ के कोषाध्यक्ष अनुज तिवारी, संयुक्त महामंत्री एस.के. वर्मा, सहायक महामंत्री एस.के. सिन्हा, मंडल सचिव डी.पी. अग्रवाल, महिला महामंत्री श्रीमति सविता त्रिपाठी, जे.पी.मीना, दीना यादव, एस.आर. बाउरी, अफजल हासमी, हर्ष वर्मा, संतोष त्रिवेणी, मंतोष कुमार, रवि, वॉवी धौलपुरे, महेन्द्र गुप्ता, रोशन यादव, अनिल चौबे, मंदीप सिंह आदि ने कहा कि मंहगाई भत्ते से रोक हटाकर एरियर्स सहित भुगतान आदि शीघ्र किया जाना चाहिए।

कार्यालय नगर निगम (कालोनी सेल) जबलपुर
क्रमांक-कालोनी सेल/2020-21/46
दिनांक 01/06/2021

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मौजा/ ग्राम जबलपुर नं.बं. 264, प.ह.नं. 24/ डायवर्टेड शीट नं.2, प्लाट नं.213/1 श्री राजेन्द्र प्रसाद वार्ड खसरा नं. 282/1 कुल रकबा 2474.11 वर्गमीटर भूमि पर विकासकर्ता/ कालोनाईजर मेसर्स अग्रवाल बिल्डकॉन पार्टनर श्री रीतेश अग्रवाल कालोनाईनर 415 गोपाल आर्केड गोपाल बाग दमोहनाका जबलपुर द्वारा श्री गोपाल लाल जी ट्रस्ट श्री चन्द्रमोहन द्वारा प्रमाणीकृत मुख्त्यार श्री गिरिराज चाचा द्वारा आवासीय भूखण्डीय विकास हेतु कालोनी विकास अनुमति प्राप्त करने के लिए निष्पादित विकास अनुबंध अनुसार विकास कार्यों के एवज में भूखंडों का विवरण :- भूखंड क्रमांक 15, 16 कुल 2 भूखण्ड कुल क्षेत्रफल 149.6 वर्गमीटर नगर निगम जबलपुर में बंधक रखे गए हैं। अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त दर्शित सम्पत्ति/ भूखण्डों का क्रय विक्रय कालोनी विकासकर्ता द्वारा नगर निगम से विकास कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त करने के पूर्व न किया जावे उपरोक्त संबंध में विस्तृत जानकारी एवं विवरण तथा अभिन्यास का अवलोकन कार्यालयीन कार्य दिवस में नगर पालिक विभाग जबलपुर कालोनी सेल कक्ष क्रमांक 5 में किया जा सकता है।

कार्यापालन यंत्री
कालोनी सेल, नगर निगम, जबलपुर

संपादकीय

चौतरफा बदहाली के बीच

केंद्र सरकार के प्रमुख आर्थिक सलाहकार कृष्णमूर्ति सुब्रह्मण्यम को शायद यही काम सौंपा गया है कि वे सरकार को सलाह देने के बजाय जो हालत है, उसकी सकारात्मक तस्वीर जनता के बीच पेश करने की भूमिका निभाएं। तो उन्होंने कहा दिया है कि जुलाई से अर्थव्यवस्था बिल्कुल अपनी पटरी पर लौट आएगी। पिछले साल उन्होंने कहा था कि लॉकडाउन के बाद अर्थव्यवस्था की वी शेप रिकवरी होगी। यानी जितनी तेजी से आर्थिक विकास दर गिरी है, उतनी ही तेजी से चढ़ेगी। अब चूंकि वे अपनी कही बातों की कोई जवाबदेही नहीं मानते, इसलिए फिर से एक वैसा ही जुमला उन्होंने उछाल दिया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 2020-21 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.3 फीसदी सिकुड़ गई है। इसका विश्लेषण करते हुए भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार कौशिक बसु ने ध्यान दिलाया कि 2020-21 के जीडीपी ग्रोथ के आंकड़े के साथ भारत 194 देशों की रैंकिंग में 142वें नंबर पर आ गया है। जबकि भारत कभी दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते देशों में एक था। ये तो एक पहलू है। दूसरा पहलू कोरोना महामारी की दूसरी लहर के दौरान हुआ हाल है, जब चौतरफा गिरावट की खबरें आ रही हैं। 2021 में सिर्फ कृषि और बिजली को छोड़कर बाकी सभी सेक्टर कोरोना महामारी और लॉकडाउन से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। व्यापार, निर्माण, खनन और विनिर्माण सेक्टर में भारी गिरावट दर्ज की गई। भारत में असंगठित क्षेत्र के 40 करोड़ कामगारों में से ज्यादातर इन्हीं सेक्टर में काम करते है। सीएमईआई के आंकड़ों के मुताबिक देश में बेरोजगारी दर फिलहाल 11 प्रतिशत से ज्यादा है। ये तो आंकड़ों की बात हुई। असल हाल यह है कि कोविड की दूसरी लहर से करोड़ों लोग प्रभावित हुए हैं। ज्यादातर की जमा पूंजी का बड़ा हिस्सा खर्च हो गया है। कई परिवार कर्ज में डूब गए हैं। सरकार को इनकी कोई चिंता है, इसका कोई संकेत नहीं है। बल्कि इस आलोचना में दम है कि भाजपा सरकार के हर फैसले में राजनीति ही शामिल रहती है। उज्ज्वला, पीएम आवास, पीएम किसान जैसी योजनाओं का मकसद चुनावी फायदा उठाना भर रहा है। लेकिन सरकार आम जन की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के मूलभूत ढांचे पर खर्च करने में कोई रुचि नहीं रखती। गांवों में फैली कोरोना की दूसरी लहर ने यह सच्चाई उजागर कर दी। ज्यादा अफसोसनाक यह है कि इससे भी सरकार ने कोई सबक नहीं सीखा। वह बदहाली को पॉजिटिव स्पिन देने में जुटी हुई है।

अब आगे क्या होगा?

यह तो साफ है कि अभी दसवीं या बारहवीं की परीक्षाओं को आयोजित करने का वक्त नहीं है। एक तरफ कोरोना महामारी का भय फैला हुआ है, दूसरी तरफ इस आपदा ने सैकड़ों परिवारों पर त्रासदी ढाई है। उन परिवारों के बच्चों को अभी बोर्ड परीक्षा में बैठने के लिए कहना असंवेदनशील ही होगा। लेकिन इस मामले का कठिन पहलू यह है कि परीक्षाओं का संबंध छात्रों के करियर से है। ये लगातार दूसरा साल है, जब महामारी से पढ़ाई और परीक्षाएं प्रभावित हो रही हैं। सवाल है कि क्या इसके असर से छात्रों को उबारने का कोई उपाय नीति निर्माताओं ने सोचा है? जाहिर है, नहीं सोचा होगा। इसलिए जो सूरत उभरती है, वह भविष्य के लिए बेहद चिंताजनक है। छात्र परीक्षा रद्द होने के फैसले की वजह से फिलहाल तनावमुक्त जरूर हो गए हैं, लेकिन आगे की पढ़ाई को लेकर उनके मन में चिंता निश्चित रूप से गहरा गई होगी। कॉलेजों में दाखिले का अब मानदंड क्या होगा, ये सवाल उन्हें मथ रहा होगा। जिन छात्रों के 10वीं या 11वीं में नंबर बेहतर नहीं थे, अगर उन नंबरों को आधार बनाया गया, तो उनके 12वीं के नंबर कम हो जाएंगे। ऐसे छात्र अक्सर बारहवीं के बोर्ड की परीक्षा के लिए जम कर तैयारी करते हैं, ताकि वे पिछली कमी की भरपाई कर सकें। अब ऐसे छात्र इस अवसर से वंचित हो गए हैं। दाखिले में कटऑफ काफी अहम होता है। जिन्हें नंबर बढ़िया नहीं आए, उनके लिए दाखिला मिलना मुश्किल होता है। हालांकि अब तक यह साफ नहीं किया गया है कि 12वीं के नंबर किस आधार पर तय किए जाएंगे, लेकिन जब भी ये तय हो, तमाम पहलुओं पर गौर जरूर किया जाना चाहिए। शिक्षाविदों की ये चिंता जायज है कि परीक्षा रद्द करने के फैसले का दूरगामी असर हो सकता है। उनके मुताबिक मेधावी छात्र दाखिले से वंचित रह सकते हैं, जबकि सामान्य छात्रों को पहले के प्रदर्शन के आधार पर दाखिला मिल सकता है। इससे एक विसंगति पैदा होगी। हजारों छात्रों को इसका मनोवैज्ञानिक दबाव झेलना होगा। इसलिए ये सुझाव गौरतलब है कि सरकार को ऐसे छात्रों की काउंसलिंग कराने की व्यवस्था करनी चाहिए। बेशक महामारी के दौरान भर्ती परीक्षा आयोजित करना भी आसान नहीं होता। छात्र, अभिभावक और शिक्षक इससे एक अतिरिक्त दबाव में रहते। लेकिन अब आगे क्या होगा, इसकी सुध लेने की जरूरत है।

निजी स्कूलों को मिले निजता का अधिकार

क्या चंडीगढ़ के गैर सहायता प्राप्त निजी स्कूलों को अपनी निजता बनाए रखने का हक है या नहीं? यह विषय इस केंद्रशासित प्रदेश द्वारा दिए एक आदेश के संदर्भ में उठ रहा है, जिसमें प्रशासन ने निजी स्कूलों को अपना वित्तीय विवरण (फाइनेंशियल स्टेटमेंट) वेबसाइट पर डालने को कहा है, ताकि छात्र और अभिभावक देख सकें, दूसरे शब्दों में, यह सार्वजनिक हो। यह सब उसके बावजूद है जब स्कूल प्रबंधन हर साल संबंधित विभागों को आय-व्यय और बजट संबंधी लेखा-जोखा मुहैया करवाता है। इस डर के साथ कि वित्तीय लेखा-जोखा वेबसाइट पर अपलोड करने पर कहीं निजी शिक्षण संस्थान को बेवजह नुक्ताचीनी का सामना न करना पड़े और संभवत: अभिभावक और दीगर तत्व बेजा अड़ंगा न डालने लगें, जिससे कि विद्यालय के सुचारु प्रबंधन में अड़चनें पैदा हो जाएं, निजी स्कूल उक्त मामले को उच्च न्यायालय ले गए। खंडपीठ ने केस नं. सीडब्ल्यू 7706 (2020), जो इंडिपेंडेंट स्कूल्स एसोसिएशन, चंडीगढ़ बनाम भारत सरकार के बीच चला, उसमें 28 मई को दिए फैसले में चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा निजी स्कूलों को अपनी वित्तीय जानकारी वेबसाइट पर डालने संबंधी दिए आदेश को सही ठहराया है। इसमें कहा गया 'अभिवावकों से स्कूलों द्वारा बेजा मुनाफा कमाने वाली शिकायतों के बाद प्रशासन को आय-व्यय का ब्योरा अपलोड करने का आदेश देना पड़ा था।' इसमें आगे यह कहा 'न तो राज्य सरकारें और न ही संबंधित विभाग के अफसर स्कूलों की व्यावसायिक चार्टर्ड अकांउटेंट्स द्वारा बनाई लेखा रिपोर्टों पर गहराई से विचार करते हैं, अत: यदि निजी शिक्षण संस्थान अपनी वेबसाइट पर यह जानकारी उपलब्ध करवाएंगे तो इससे पारदर्शिता बनेगी और यह इस ध्येय की पूर्ति सुनिश्चित करने में सहायक होगी कि कोई संस्थान बेजा मुनाफाखोरी और दाखिला फीसें इत्यादि नहीं वसूल रहा। इसमें कोई शक नहीं कि अनेक निजी स्कूल हर साल दाखिला फीस लेने और अनावश्यक मुनाफा बनाने में लिप्त हैं। चूंकि संस्थानों द्वारा पेश किए वित्तीय विवरण व्यावसायिक माहिरों द्वारा बनाए गए होते हैं, इसलिए संबंधित सरकारी अधिकारी से उम्मीद नहीं की जा सकती कि वह इनमें चतुराई से छिपाए सत्य को खोज निकालें।' आगे यह आदेश कहता है 'यदि संस्थानों का वित्तीय विवरण वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा तो छात्रों के अभिभावक भी इनको देख पाएंगे। संभवत: कई ऐसे माता-पिता जरूर होंगे, जिनकी अकाउंटिंग के क्षेत्र में महारत हो, और वे पड़ताल कर प्रशासन की यह सुनिश्चित करने में मदद कर सकते हैं कि कोई शिक्षा संस्थान या स्कूल बेजा मुनाफा अथवा दाखिला फीसें न लेने पाए।' गौरतलब है कि आखिर न्यायालय ने यह कैसे मान लिया कि निजी स्कूलों के व्यावसायिक माहिरों द्वारा बनाए वित्तीय विवरणों की गहराई से पड़ताल कर वास्तविकता खोज पाने में सरकारी विभाग के अधिकारी सक्षम नहीं हैं। आदर सहित कहना चाहूंगा कि यह तर्क सराहना योग्य नहीं कहा जा सकता। यह पहले से कैसे माना जा सकता है कि वे इतने काबिल नहीं हैं। अवश्य ही विभाग ऐसे विवरण केवल अपने दफ्तरों को भरने के लिए नहीं मांगते। यदि कोई स्कूल ज्यादा दाखिला फीस या अन्य अनाधिकारिक पैसा मांग रहा होगा तो संबंधित विभाग से उम्मीद है वे इतने काबिल तो हैं ही कि छिपे पेच को पकड़ पाएं और यथेष्ठ कार्रवाई करें। लगता है वेबसाइट पर वित्तीय विवरण डलवाने को अदालत ने प्रभावित किया है, वह यह है कि शायद कुछेक स्कूल पहले ऐसा कर चुके हैं। यदि कुछ कर सकते हैं, तो इसका यह मतलब नहीं कि बाकी सब भी यही करें, जब तक कि उन पर ऐसा करने की कानूनी बाध्यता न हो। जब निजी स्कूलों द्वारा निजता का विषय उठाया गया तो अदालत का कहना था 'यह आदेश किसी भी तरह उनकी निजता का हनन नहीं है, वैसे भी शिक्षा देने का काम परमार्थ करने वाला व्यवसाय है।' जैसा कि सर्वविदित है, सब निजी स्कूल परमार्थ संस्थान नहीं हैं, न ही उन्हें होने की जरूरत है। तथ्य तो यह है कि बतौर एक मुनाफादायक व्यवसाय निजी स्कूल बनाने पर कोई रोक नहीं है। किसी को भी हैरानी होगी जब यह कहा जा रहा है कि निजी स्कूलों का वित्तीय विवरण वेबसाइट पर डालने पर उनकी निजता का हनन नहीं होगा। अदालत के इस निर्णय की आगे न्यायिक पड़ताल हो सकती है। अब जो भी है, आखिरी आदेश सर्वोच्च न्यायालय से आना है। निजी स्कूलों की बात करें तो देश में बड़ी आबादी को शिक्षित करने में इनकी भूमिका निश्चित तौर पर कम नहीं है और कभी माननी भी नहीं चाहिए। लोकहितकारी व्यवस्था को अपनाने वाले हमारे जैसे मुल्क में वैसे तो यह सरकार का दायित्व है कि सबको शिक्षा मुहैया करवाए। चूंकि सरकारें ऐसा करने में असफल रही हैं, इसलिए निजी स्कूल वह भरपाई करते हैं जो वास्तव में सरकार का फर्ज है। यह विरोधाभासी है कि सरकारें निजी स्कूलों द्वारा वसूले जा रहे पैसे पर तो बहुत चिंतित दिखाई पड़ती हैं लेकिन सरकारी स्कूलों में मिलने वाली शिक्षा की गुणवत्ता पर कभी कुछ कहा हो, यह शायद ही सुनने को मिला है। बच्चे को निजी स्कूल में भर्ती करवाते वक्त हर अभिभावक को फीस और अन्य खर्चों के बारे में भली भांति पता होता है, यह सब जानने के बाद ही अधिकांश माता-पिता औलाद को वहां पढ़ाना चुनते हैं। बच्चे को ऐसे स्कूल में भर्ती करवाने के बाद फिर फीस को लेकर शिकायत करने का क्या औचित्य है?स्कूल चाहे सरकारी हो या निजी, देश को बहुत बड़ी संख्या में और अधिक विद्यालयों की जरूरत है, खासकर वह जो गुणवत्ता वाली शिक्षा दे सकें। एक अच्छा निजी स्कूल बनाने में बहुत धन और प्रयास लगते हैं। लेकिन जैसा सरकारों का निजी स्कूलों के प्रति मौजूदा रवैया है, ऐसे में कोई नया स्कूल खोलना क्यों पसंद करेगा? यहां सर्वोच्च न्यायालय की 11 सदस्यीय खंडपीठ द्वारा टीएमएपी बनाम कर्नाटक सरकार मुकदमे में दिए फैसले का उल्लेख करना जरूरी है, जिसमें कहा गया था 'यह आम जनता के हित में है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने वाले और अधिक स्कूल खोले जाएं, स्कूल प्रबंधन को नियुक्तियां करने, छात्रों की भर्ती और वसूली जाने वाली फीस में खुदमुख्तारी और अबाधित जिम्मेवारी मिलने से यह सुनिश्चित हो पाएगा कि इस तरह के संस्थान स्थापित हो पाएं।' सरकारें शिक्षा संस्थानों पर अनावश्यक आदेश लादकर देश में शिक्षा के हितों से खिलवाड़ न करें, वरना यह 'पेड़ गंवाने की एवज में वन' से हाथ धोने जैसा होगा।

न्यायमूर्ति एस.एस. सोढी (अ.प्रा.)

संकट में मदद को आगे आये सरकार

वैश्विक सलाहकार कम्पनी मैकेंजी ने अक्तूबर 2020 के एक अध्ययन में कहा था कि यूरोप के छोटे उद्योगों का स्वयं का अनुमान है कि आधे उद्योग आने वाले 12 माह में बंद हो जायेंगे। भारत की परिस्थिति ज्यादा दुष्कर है क्योंकि हमारे छोटे उद्योगों ने लॉकडाउन के साथ-साथ नोटबंदी और जीएसटी की मार भी खाई है। ई-कॉमर्स और बड़ी कंपनियों ने छोटे उद्योगों के बाजार पर कब्जा कर लिया है। विषय यह है कि छोटे उद्योग यद्यपि माल महंगा बनाते हैं परन्तु वे हमारे भविष्य के उद्यमियों के इनक्यूबेटर अथवा लेबोरेटरी भी हैं। आज का छोटा उद्यमी कल ब?ा हो सकता है। धीरुभाई अम्बानी किसी समय छोटे उद्यमी थे। यदि उनके छोटे उद्योग को पनपने का अवसर नहीं मिलता तो वे कभी ब? भी नहीं होते। साथ ही ये भारी संख्या में रोजगार सृजित करते हैं। रोजगार उत्पन्न होने से जनता की सृजनात्मक क्षमता उत्पादक कार्यों में समाहित हो जाती है। यदि हमारे युवाओं को रोजगार नहीं मिला तो वे अंतत: आपराधिक गतिविधियों में लिप्त होंगे जो हो भी रहा है। औरंगाबाद, महाराष्ट्र के विश्वविद्यालय के प्रोफेसर की माने तो उनके एमए पढ़े छात्र भी अब एटीएम तोड़ने जैसे कार्यों में लिप्त हो गये हैं, चूंकि वे बेरोजगार हैं। बड़ी संख्या में लोगों के अपराध में लिप्त होने से सुरक्षा का खर्च बढ़ता है, देश पर पुलिस का खर्च ब?ता है, नागरिकों में असुरक्षा की भावना विकसित होती है और सामाजिक और पारिवारिक ढांचा विघटित होता है। देश में असुरक्षित वातावरण के कारण विदेशी कम्पनियां भी निवेश करने से कतराती हैं। इसलिए यदि हम छोटे उद्योगों से बने माल के ऊंचे दाम को सहन करें तो इस भार के बावजूद आर्थिक विकास हासिल होता है। सामाजिक वातावरण आर्थिक गतिविधियों के विस्तार और निवेश के अनुकूल स्थापित हो जाता है। इसके विपरीत यदि हम बड़े उद्योगों से उत्पादन कराएं तो बेरोजगारी और अपराध दोनों बढ़ते हैं। यद्यपि बाजार में सस्ता माल उपलब्ध होता है परन्तु अर्थव्यवस्था कमजोर पड़ती है क्योंकि अपराध बढ़ते हैं। इसके अतिरिक्त, बेरोजगारों को न्यूनतम सुरक्षा देने को मनरेगा जैसे कार्यक्रमों पर सरकार को खर्च भी अधिक करना पड़ता है। मनरेगा पर खर्च की गयी रकम मूल रूप से अनुत्पादक कार्यों में लगती है। वही रकम यदि छोटे उद्योगों को लगाने में लगायी जाये तो उत्पादन बढ़ेगा। अतएव केवल बड़े उद्योगों के सहारे आर्थिक विकास की नीति विफल होने की संभावना ज्यादा है। पिछले 6 वर्षों में हमारी आर्थिक विकास दर गिरने का यह एक बड़ा कारण दिखता है। छोटे उद्योगों को जीवित रखने के लिए कोशिश हो कि उनकी उत्पादन लागत कम आये। इसके लिए ऋण देने के अतिरिक्त ठोस कदम उठाने होंगे। यूरोपीय यूनियन की छोटे उद्योगों की गाइड बुक में सुझाव दिया गया है कि छोटे उद्योगों को ट्रेनिंग, रिसर्च एवं सूचना उपलब्ध करने के लिए उनके गुट अथवा क्लस्टर बनाने चाहिए और इन क्लस्टरों का संचालन छोटे उद्योगों के अपने संगठनों के हाथ में दे देना चाहिए। जैसे वाराणसी में यदि बुनकरों को समर्थन देना है तो वाराणसी के बुनकरों के संगठन के माध्यम से उन्हें ट्रेनिंग, रिसर्च और सूचना उपलब्ध कराई जाए। उनके संगठन को सही ज्ञान होता है कि किस प्रकार की तकनीक की जरूरत है और किस प्रकार की ट्रेनिंग कामयाब होगी। यदि यही कार्य किसी एनजीओ अथवा किसी सरकारी तंत्र के माध्यम से कराया जाता है तो उन्हें जमीनी स्थिति का ज्ञान नहीं होता। तमाम एनजीओ ऐसी योजनाओं में अपनी रोटी सेंक रहे हैं।

भरत झुनझुनवाला

आप का राशिफल 09 जून

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बनें। शुभांक-3-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचे तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-4-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-2-5-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। शुभांक-3-6-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। सुविधाओं में शनै:-शनै: बाधा आएगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। शुभांक-3-5-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। परिवार में अशांति रहेगी। शुभांक-1-4-5

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शुभांक-2-4-6

फिल्म वर्ग पहेली- 5459

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, वैजयंती की फिल्म-४
२. 'मेरो गाम काथा पारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली फिल्म-२
४. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'रूठ कर हम उन्हें भूल जाने लगे' गीत वाली फिल्म-३
५. फिल्म 'आज का अर्जुन' में 'लक्ष्मी' की भूमिका किस अभिनेत्री ने की थी-३
७. राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा की फिल्म-२
९. 'मेरे चेहरे पे' गीत वाली फिल्म-३
११. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१२. अमोल, राखी की 'जो राह चुनी तूने रही' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कभी खुशियों की सरगम' गीत वाली अमिताभ, अरबाज, डिम्पल की फिल्म-४
१६. वी. शांताराम की प्रेमकुमार, मास्टर सुशांत, रंजना, गौरी कामथ अभिनीत फिल्म-२
१७. 'प्यार कर इकरार कर' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय, अमीषा की फिल्म-४
१८. अक्षय कमार, प्रीति जिंटा की फिल्म-३
१९. 'लल्ला लल्ला लोरी दूध की' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने निभाई है-३
२३. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२५. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
२६. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो अक्सर याद आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेई, उर्मिला मातोंडकर अभिनीत रामगोपाल वर्मा की एक सस्पेंस फिल्म-३
३०. 'माई हार्ट इज बीटिंग गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. संजीव कुमार, वहीदा रहमान की 'ऐ मेरी आँखों के पहले सपने' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'चलो एक बार फिर से अजनबी बन जायें' गीत वाली फिल्म-४
६. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
८. 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
१०. जीतेंद्र, आदित्य, संगीता की १९९३ की एक फिल्म-५
१३. ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१४. 'किसी को किसी' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता की फिल्म-३
१६. शाहरूख, पूजा भट्ट, रम्या की फिल्म-३
१९. विवाह से पूर्व टीना अंबानी का सरनेम क्या था-३
२१. अमोल, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'सरकाय लेओ' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
२४. अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२६. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२
२७. संजय दत्त, कुमार गौरव, पूनम की 'तेरे दिल की तू' गीतवाली फिल्म-२
२९. 'मैं लव तुम से' गीत वाली तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
३१. सुनील दत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके ब्रजबाला' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली राज बब्बर, राखी, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
३३. धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की 'ओ ऐसी कोई बात' गीत वाली फिल्म-१

फिल्म वर्ग पहेली- 5458

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 5980

★☆☆☆☆ सरल

	7	9	4	2		6		3
	6		8		7		2	
4	1				3	5	8	
	9	8	3					
7		4		5		8		1
					9	7	3	
	8	5	7				4	6
	2		9		1		5	
3		1		6	8	9	7	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -5979 का हल

8	9	5	1	3	7	2	4	6
7	3	2	6	5	4	1	8	9
1	6	4	8	9	2	7	5	3
5	7	3	4	2	9	6	1	8
4	2	8	5	6	1	3	9	7
6	1	9	3	7	8	5	2	4
3	5	1	9	4	6	8	7	2
2	4	6	7	8	5	9	3	1
9	8	7	2	1	3	4	6	5

धर्म

जानें क्या पसंद है आपके आराध्य को?

भारतीय पारंपरिक धार्मिक व्यवस्था में देवी-देवता मानवीय स्वरूप में स्वीकार्य हैं। चूंकि सगुण की उपासना करते हैं, इसलिए सगुण की हम मानवीय रूप में ही आराधना करते हैं। उनका जन्म होता है, विवाह होता है। परिवार होता है, निवास, वाहन, बच्चे, पसंद के फूल, फल.... मौसम, महीना... सब कुछ ठीक वैसे ही जैसे इंसान के हुआ करते हैं। उसी के अनुरूप देवी-देवताओं के वाहन, मास, ऋतु, पसंदीदा फल, फूल, पूजा-पद्धति... मिष्ठान्ना-नेवैद्य इन सबका का भी एक नियम है। जैसे केतकी के फूल पार्वती को चढ़ते हैं, किंतु शिव को नहीं। काला चना दुर्गा को नैवेद्य में भोग लगाया जाता है, लेकिन किसी अन्य देवता को नहीं। आइए जानें कि किस देवता को भोग में क्या प्रिय है

विष्णु का नेवैद्य : भगवान विष्णुजी को खीर या सूजी के हलवे का नेवैद्य बहुत पसंद है। खीर कई प्रकार से बनाई जाती है। खीर में किशमिश, बारीक कतरे हुए बादाम, बहुत थाड़ी-सी नारियल की कतरन, काजू, पिस्ता, चारौली, थोड़े से पिसे हुए मखाने, सुगंध के लिए एक इलायची, कुछ केसर और अंत में तुलसी जरूर डालें। उसे उत्तम प्रकार से बनाएं और फिर विष्णुजी को भोग लगाने के बाद वितरित करें। मान्यता है कि प्रति रविवार और गुरुवार को विष्णु-लक्ष्मी मंदिर में जाकर विष्णुजी को उक्त उत्तम प्रकार का भोग लगाने से दोनों प्रसन्ना होते हैं।

शिव का भोग : शिव को भांग और पंचामृत का नेवैद्य पसंद है। भोले को दूध, दही, शहद, शकर, घी, जलधारा से स्नान कराकर भांग-धतूरा, गंध, चंदन, फूल, रोली, वस्त्र अर्पित किए जाते हैं। शिवजी को रेवड़ी, चिरौंजी और मिश्री भी अर्पित की जाती है। श्रावण मास में शिवजी का उपवास रखकर उनको गुड़, चना और चिरौंजी के अलावा दूध अर्पित करने से सभी तरह की मनोकामना पूर्ण होती है।

हनुमान को लगाएं भोग : हनुमानजी को हलुआ, पंच मेवा, गुड़ से बने लड्डू या रोठ, डंठल वाला पान और केसर- भात बहुत पसंद हैं। इसके अलावा हनुमानजी को कुछ लोग इमरती भी अर्पित करते हैं। कोई व्यक्ति 5 मंगलवार कर हनुमानजी को चोला चढ़ाकर यह नैवेद्य लगाता है, तो उसके हर तरह के संकटों का अविलंब समाधान होता है।

मां लक्ष्मी को भोग: लक्ष्मीजी को धन की देवी माना गया है। कहते हैं कि अर्थ बिना सब व्यर्थ है। लक्ष्मीजी को प्रसन्ना करने के लिए उनके प्रिय भोग को लक्ष्मी मंदिर में जाकर अर्पित करना चाहिए। लक्ष्मीजी को सफेद और पीले रंग के मिष्ठान्ना, केसर-भात बहुत पसंद हैं। कम से कम 11 शुक्रवार को जो कोई भी व्यक्ति एक लाल फूल अर्पित कर लक्ष्मीजी के मंदिर में उन्हें यह भोग लगाता है तो उसके घर में हर तरह की शांति और समृद्धि रहती है। किसी भी प्रकार से धन की कमी नहीं रहती।

दुर्गा माता को भोग : माता दुर्गा को शक्ति की देवी माना गया है। दुर्गाजी को खीर, मालपुए, हलुआ, केले, नारियल और मिष्ठान्ना बहुत पसंद हैं। नवरात्रि के मौके पर उन्हें प्रतिदिन इसका भोग लगाने से हर तरह की मनोकामना पूर्ण होती है, खासकर माताजी को सभी तरह का हलुआ बहुत पसंद है, नवरात्रि में काला चना उनके नेवैद्य का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। बुधवार और शुक्रवार के दिन दुर्गा मां को विशेषकर नेवैद्य अर्पित किया जाता है। माताजी के प्रसन्ना होने पर वह सभी तरह के संकट दूर होते हैं।

सरस्वती माता भोग : माता सरस्वती को ज्ञान की देवी माना गया है। ज्ञान कई तरह का होता है। स्मृतिदोष है तो ज्ञान किसी काम का नहीं। ज्ञान को व्यक्त करने की क्षमता नहीं है, तब भी ज्ञान किसी काम का नहीं। ज्ञान और योग्यता के बगैर जीवन में उन्नाति संभव नहीं।

विचार प्रवाह

धर्म परम्परा नहीं, परम है। धर्म आवरण नहीं, आचरण है। धर्म बला नहीं, जीने की कला है। धर्म क्रूरता नहीं, करुणा है। आज धर्म के नाम पर संसार में जो हत्याएं और युद्ध हो रहे हैं, वह धर्म नहीं, धर्म की लाश है और जब तक इस लाश को घर से बाहर नहीं निकाला जाएगा, तब तक देश और दुनिया में सुख शांति नहीं होगी। हिन्दुस्तान में 20 लाख देवी देवता हैं जिनकी सभी लोग पूजा करते हैं। देवी देवता सिर्फ पूजा के लिए नहीं हैं, वरन उनसे प्रेरणा भी लेनी चाहिए।

मुनिश्री तरुणसागर

शब्द पहेली - 7042

बाएँ से दाएँ

1. ध्वज, पताका-2
4. वहम, संदेह-2
6. दलहन-2
7. खाली, रिक्त-2
9. रसूल, अल्लाह-3
12. अभिनेत्री मुनमुन सेन की पुत्री का सिर्फ नाम-3
14. सिवाय, बगैर-3
16. इराक की राजधानी-4
17. समधी की पत्नी-4
18. पीसना, महीन करना-3
20. उष्ण, गर्म-3
22. उत्तम, विष्णु अवतार-3
24. परत, तह-2
26. खेती-2
27. अधर, होठ-2
28. ताऊ की पत्नी, बड़ी मां-2

ऊपर से नीचे

1. जल प्रपात-3
2. आईल-2
3. हूर, अप्सरा-2
5. सूक्ति, वाणी, शबद-3
6. पिता के पिता-2
8. स्टार, सितारा-2
10. रोचक, सुंदर, मनोहारी-5
11. शीतलता, मुठभेड़-2
13. सतरंगा, शंकर धनुष-5
14. सिर्फ एक, एकमात्र-3
15. हवस, कामेच्छा-3
19. लाख-2
20. जहर, विष-3
21. आनंदित, मनमौजी-2
22. मुनि, साधू-2
23. अच्छाई, सदशयता-3
25. सुरक्षा-2
26. कीड़ा, कीट-2

शब्द पहेली -7041 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

अशासकीय शालाओं में आरटीई के तहत प्रवेश की पूरी प्रक्रिया होगी ऑनलाइन

भोपाल। प्रदेश के निजी स्कूलों में नए शैक्षणिक सत्र 2021-22 में शिक्षा के अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया जून के दूसरे सप्ताह में शुरू होगी। राज्य शिक्षा केंद्र की ओर से निजी स्कूलों को सीटें लॉक करने के संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। कोरोना काल के कारण पिछले साल आरटीई के तहत प्रवेश नहीं दिए गए थे, लेकिन इस साल प्रवेश दिए जाएंगे। इस संबंध में गाइडलाइन तैयार की जा रही है। कोरोना संक्रमण की मौजदा स?थिति को देखते हुए आरटीई के तहत दाखिले की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। अभिभावकों को आवेदन करने के बाद ऑनलाइन दस्तावेज सत्यापन करना होगा। इसके बाद अभिभावकों के मोबाइल पर ओटीपी आएगा। इसके बाद उनके बच्चे का नाम लॉटरी में शामिल होने के लिए पात्र होगा। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के 26 हजार निजी स्कूलों में चार लाख सीटों के लिए आवेदन कराए जाते हैं। सत्र 2019-20 में निजी स्कूलों में 3,58,887 सीटों के लिए दो लाख 35 हजार अभिभावकों ने आवेदन किए थे। दस्तावेज सत्यापन के बाद 2,03,447 बच्चे पात्र पाए गए थे, जिनका एडमिशन हुआ। हर साल आरटीई के तहत निजी स्कूलों में आधी सीटें ही भर पाती हैं। वहीं राज्य शिक्षा केंद्र ने निजी स्कूलों को पांच जून तक 25 फीसद सीटें लॉक करने निर्देश दिए हैं, लेकिन अब तक सिर्फ 60 फीसद स्कूलों ने ही सूची जारी की है। अभी 40 फीसद स्कूल अभी बाकी हैं। इसके बाद आवेदन शुरू किए जाएंगे।

60 फीसद स्कूलों ने दी है जानकारी

इस बार प्रवेश के लिए आवेदन से लेकर दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। अभिभावकों के मोबाइल पर ओटीपी आएगा, फिर उनके बच्चे लॉटरी में शामिल होने के लिए पात्र होंगे।

- रमाकांत तिवारी, आरटीई नियंत्रक, राज्य शिक्षा केंद्र

भोपाल में 50 कॉलोनियों के उपभोक्ता प्रति यूनिट दो रुपये ज्यादा दे रहे बिजली बिल

भोपाल। शहर में बिल्डरों और कॉलोनाइजरों की करतूतों के कारण शहर की 50 कॉलोनियों के लाखों उपभोक्ता महंगी बिजली जला रहे हैं। बिजली कंपनी ने ऐसे बिल्डरों पर कार्रवाई के लिए रेरा को पत्र लिखा है। दरअसल बिल्डरों व कॉलोनाइजरों ने कॉलोनिया तो विकसित कर दी, लेकिन उनमें बिजली सप्लाई व्यवस्था के लिए विधिवत निर्माण कार्य नहीं किए हैं। अस्थाई कनेक्शन लेकर फ्लैट, मकान व दुकानें बेच दी है। अस्थाई कनेक्शन लेने पर सामान्य दरों की तुलना में महंगी बिजली मिलती है। जिसका सीधा असर उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है।

दबाव बनाए खरीदार

बिजली कंपनी ने अप्रत्यक्ष रूप से कहा है कि ऐसी कॉलोनियों में रहने वाले नागरिकों को बिल्डरों पर दबाव बनाना चाहिए। ताकि वह संबंधित कॉलोनी में बिजली सप्लाई के लिए जरूरी विद्युत अद्योसंरचना से जुड़े काम करवा दें।

बिजली कंपनी का तर्क, नहीं दे सकते स्थाई कनेक्शन

मप्र मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रवक्ता मनोज द्विवेदी ने बताया कि जब तक बिल्डर कंपनी के नियमों के अनुरूप संबंधित कॉलोनियों में खुद के खर्च पर काम न करवा दें, तब तक बिजली कंपनी वहां रहने वाले नागरिकों को स्थाई कनेक्शन नहीं दे सकती है। कंपनी ने रेरा को पत्र लिखकर ऐसे बिल्डरों पर कार्रवाई करने की मांग की है। बिजली कंपनी के जोनल व क्षेत्रीय अधिकारियों को भी कार्रवाई के लिए कहा गया है।

आम के पेड़ में पत्थर मारकर भागते समय गिरा छह साल का मासूम, मौत

भोपाल। ऐशबाग के अंत्योदय नगर में रविवार शाम साथी बच?चों के साथ पेड़ में पत्थर मारकर आम तोड़ने की कोशिश कर रहा छह साल का एक बालक भागते समय गिरकर घायल हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक प्रथमदृष्टया लगता यही है कि गिरते समय मासूम के सिर में गंभीर चोट लगी, जिससे उसकी मौत हो गई। ऐशबाग थाने के एएसआई शेषराम सहारे के अनुसार बाग फरहत अफ्जा निवासी रिहान खान कबाड़े का काम करता है। उसके परिवार में पत्नी के अलावा चार साल की छोटी बेटी और बड़ा बेटा सूफियान खान (6) था। सूफियान और बच्ची की देखरेख नाना-नानी कर रहे थे। रविवार शाम सूफियान पड़ोसी बच्चों के साथ अंत्योदय नगर, बाल दिलकुशा में आम तोड़ने के लिए गया था। जहां बच्चे आम के पेड़ में पत्थर मार रहे थे। इस बीच आवाज सुनकर मकान मालिक घर से बाहर निकल आया। यह देखकर बच्चों ने सड़क पर दौड़ लगा दी, इसमें सूफियान सड़क पर गिर गया था। गिरते ही उसके मुंह से झाग निकलने लगा। उसके दोस्तों ने खड़ा करने की कोशिश की, लेकिन वह एकदम से बेसुध हो गया था।परिवहन सेवा ठप हो चुकी है। अनलॉक में भी यात्री नहीं मिल रहे। डीजल के दाम बढ़ गए हैं। घाटे में बसों का संचालन नहीं कर सकते हैं, इसलिए 100 फीसद बसों का संचालन नहीं हो पा रहा है।

डाकपाल ने डाकघर में किया पौने दो लाख रुपये की शासकीय राशि का गबन

भोपाल। नजीराबाद ग्राम बढा जागीर डाकघर में हेराफेरी का मामला सामने आया है। यह जालसाजी किसी और ने नहीं डाकघर में तैनात रहे डाकपाल ने की है। विभागीय जांच के बाद पुलिस के पास शिकायत पर आरोपित डाकपाल पर शासकीय राशि 1 लाख 76 हजार पांच सौ रुपये के गबन का मामला दर्ज किया गया है। जल्द ही आरोपित की गिरफ्तारी की जाएगी। नजीराबाद थाना प्रभारी बीएस राजपूत के अनुसार भोपाल के डाकघर अधीक्षक की ओर से एक शिकायत मिली थी कि जिसमें ग्राम गढा जागीर शाखा डाकघर के डाकपाल राजेंद्र सिंह सोलंकी के खिलाफ शासकीय राशि के दुरुपयोग के संबंध में थी। आला अधिकारियों के निर्देश के बाद इस पूरे मामले में जांच की गई।जांच के दौरान पाया गया कि राजेंद्र सिंह सोलंकी ने दर्पण डिवाइस के माध्यम से 7 अगस्त 2019 से लेकर 24 अक्टूबर 2019 तक डाकघर में जमा कराई गई करीब 1 लाख 76 हजार पांच सौ रुपये का उल्लेख डाकघर के लेखा रजिस्टर व एसबी जनरल रजिस्टर में नहीं किया। आरोपित राजेंद्र सोलंकी ने शासकीय राशि का उपयोग निजी हित में किया गया। आरोपित ने शासकीय राशि का गबन पाया गया। इस पर आरोपित डाकपाल के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। बजरिया में आया था मामला सामने.इसी तरह का मामला बजरिया थाने में सामने आया था। जहां दो अधिकारियों ने शासकीय राशि का दुरुपयोग कर अपनी निजी लाभ लिया था। इस पर बजरिया पुलिस ने केस दर्ज किया गया था। यह पूरा मामला छह माह पुराना है। पुलिस मामले की जांच में लगी है।

प्रदेश के नौ जिलों में नहीं मिला एक भी मरीज

भोपाल। देश-प्रदेश के साथ-साथ राजधानी भोपाल में भी कोरोना की दूसरी लहर के सुस?त पड़ने के साथ संक्रमण के मामले लगातार घटते जा रहे हैं। सोमवार को भोपाल में कोरोना के 124 नए मरीज मिले। मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ अधिकारी बताया कि कुल 6904 सैंपल की जांच में इतने मरीज मिले हैं। इस तरह संक्रमण दर 1.79 फीसद रही। इससे एक दिन पहले भोपाल में 7957 सैंपल की जांच में 131 लोगो की कोरोना संक्रमण रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। सोमवार को भोपाल में 178 लोग कोरोना संक्रमण से उबरने में कामयाब रहे। सरकारी रिकॉर्ड के मुताबिक सोमवार को भोपाल में तीन लोगों की कोरोना संक्रमण के कारण मौत हुई। मध्य प्रदेश में रविवार को नौ जिलों में कोरोना का एक भी मरीज नहीं मिला है। दूसरी लहर में आलीराजपुर प्रदेश का ऐसा जिला है जहां अब कोई सक्रिय मरीज नहीं है। बाकी 51 जिलों में मिलाकर 8,860 सक्रिय मरीज हैं। इनमें 43 फीसद अस्पतालों में भर्ती हैं। यह जानकारी स्वास्थ्य विभाग द्वारा सोमवार को जारी प्रदेश के हेल्थ बुलेटिन में सामने आई है।

10 जून से पूरी राजधानी अनलॉक

शर्त - 100 फीसद टीकाकरण तो ही कर सकेंगे व्यापार

भोपाल। राजधानी के बाजार 10 जून (गुरुवार) से पूरी तरह से अनलॉक हो जाएंगे। कपड़ा, बर्तन, सराफा, वाहन शोरूम समेत वे सभी दुकानें खुल सकेंगी, जिन्हें एक जून को छूट के दायरे में नहीं रखा गया था। हालांकि, दुकानदारों के लिए शर्त रहेगी कि वे खुद व कर्मचारियों का टीकाकरण 100 फीसद कराएं। सोमवार दोपहर चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने स्मार्ट सिटी के कंट्रोल रूम में व्यापारियों के साथ बैठक के बाद यह निर्णय लिया। शनिवार को भी कोरोना कर्फ्यू यानी लॉकडाउन नहीं रहेगा। दरअसल, सोमवार सुबह तक सरकार या जिला प्रशासन द्वारा दुकानों को लेकर कोई निर्णय नहीं लिए जाने पर पुराने शहर में 500 से अधिक व्यापारी गुस्सा हो गए थे। उन्होंने चेतावनी दी थी कि दोपहर दो बजे तक यदि सरकार व प्रशासन ने कोई निर्णय नहीं लिया तो वे खुद अपनी दुकानें खोल लेंगे। व्यापारियों के गुस्से के आगे सरकार को झुकना पड़ा और ताबड़तोड़ बैठक बुलाकर निर्णय ले लिया गया। व्यापारी नौ जून को दुकानें जरूर खोल सकेंगे, लेकिन खरीदी-बिक्री की पाबंदी रहेगी। इस दिन वे टीकाकरण करा सकेंगे।

'टीका लगवाओ और बाजार खुलवाओ'

व्यापारिक संगठनों के साथ हुई बैठक में मंत्री सारंग ने नारा दिया कि 'टीका लगवाओ और बाजार खुलवाओ'। उन्होंने कहा कि कोरोना पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है इसलिए सावधानी बहुत जरूरी है। बाजारों को गाइडलाइन के साथ ही खोलना होगा, लेकिन इसके पहले बाजारों में टीकाकरण शिविर लगाए जाएंगे। जहां 100 फीसदी व्यापारी व उनके कर्मचारियों को टीका लगवाना होगा। सभी को टीका लगवाने की जिम्मेदारी व्यापारी संगठनों की होगी। इसके बाद ही बाजार खोलने की अनुमति मिलेगी। कलेक्टर अविनाश लवानिया भी बैठक में मौजूद थे।

इन्हें बड़ी राहत

निर्णय से कपड़ा, बर्तन, सराफा, ऑटोमोबाइल आदि कारोबारियों को बड़ी राहत मिली है। वे एक जून से ही दुकानें खोलने की अनुमति चाह रहे थे, पर निर्णय नहीं हुआ था। इसलिए मंत्री, विधायक व कलेक्टर तक से गुहार लगा रहे थे। सोमवार को भी उन्होंने विधायक रामेश्वर शर्मा से मुलाकात की थी।

व्यापारी बोले-

निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार ही दुकानों का संचालन करेंगे। अधिकांश व्यापारी टीकाकरण करा चुके हैं। प्रयास रहेगा कि बुधवार को शेष बचे व्यापारियों का भी टीकाकरण करा दिया जाए।

नवनीत अग्रवाल, प्रवक्ता सराफा व्यापारी संघ

रोज हो रहा था नुकसान

- शहर की कपड़ा दुकानें बंद होने से प्रतिदिन करोड़ों का कारोबार प्रभावित हो रहा था। इसलिए इन्हें खोलने की अनुमति चाह रहे थे। गुरुवार से दुकानें खोल सकेंगे। शनिवार को भी कर्फ्यू से राहत दी गई है।

श्यामबाबू अग्रवाल, अध्यक्ष राजधानी वस्त्र व्यवसायी संघ

टीकाकरण कराएंगे

- बाजार खोलने का निर्णय अच्छा है। इससे काफी राहत मिलेगी। बुधवार को शत-प्रतिशत शोरूम संचालक व कर्मचारियों का टीकाकरण कराएंगे।

कोरोना से बचाव और पौधे लगाने के लिए काम करेंगे सामाजिक संगठन

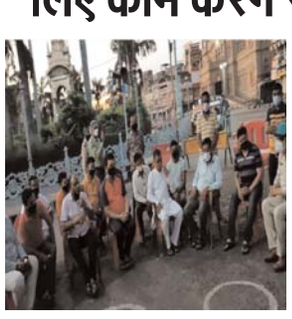

भोपाल। मप्र मीना समाज सेवा संगठन की कोरोना महामारी संकट निवारण एवं जागरूकता समिति की बैठक आयोजित की गई। समिति के प्रदेश संयोजक एडवोकेट संतोष मीना की अध्यक्षता व संगठन के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश सिंह मीना के नेतृत्व में गठित समिति के सक्रिय प्रयासों और सार्थक गतिविधियों की समीक्षा की गई, जिसमें बताया गया कि प्रदेश के 26 जिलों में गठित 1527 समितियों द्वारा अब तक 2555 गांव में 12805 परिवारों को कोरोना सुरक्षा की जानकारी दी जा चुकी है। बताया गया कि 26 जिलों में 51 डॉक्टरों के नेतृत्व में गठित इन समितियों ने अब तक बेहतर सहायक भूमिका निभाई। पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ यही वक्त का नारा है। बैठक में पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ यही वक्त का नारा है स्लोगन देकर समाज बंधुओं को अधिक से अधिक पेड़ लगाने का सुझाव दिया। प्रदेश संयोजक एडवोकेट संतोष मीना ने कहा कि सर्वाधिक आक्सीजन हमें पीपल, बरगद और नीम के पेड़ से मिलती है।

राघवेंद्र सिंह तोमर सर्व सम्मति प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त

इधर मप्र राजपूत महापंचायत की ऑनलाइन बैठक में फेथ क्रिकेट अकादमी के संचालक एवं वरिष्ठ उद्यमी राघवेंद्र सिंह तोमर को महापंचायत का सर्व सम्मति से प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया। अभय परमार को महापंचायत का माहसचिव नियुक्त किया गया। इस अवसर पर राजपूत महापंचायत के मुख्य संरक्षक देवेंद्र सिंह भदौरिया ने नए अध्यक्ष के नाम का प्रस्ताव किया जिसे समाज के सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से अनुमोदन किया। इसी प्रकार समाज के केपी सिंह ने महासचिव के लिए अभय सिंह परमार के नाम का प्रस्ताव किया। जिसे सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित किया। इस अवसर पर महापंचायत के मुख्य संरक्षक देवेंद्र सिंह भदौरिया ने कहा कि अभी महापंचायत भोपाल के 16 राजपूत संगठनों का समन्वयक संगठन है नए अध्यक्ष के नेतृत्व में इसका विस्तार प्रदेश स्तर पर एवं राष्ट्रीय स्तर तक किया जाएगा। नव नियुक्त अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह तोमर ने इस अवसर पर कहा कि राजपूत समाज के युवाओं, बालक एवं बालिकाओं को राजपूतों के उच्चआदर्शों की स्थापना के लिए शिक्षित करने पर जल्दी ही कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मंदिर से लौट रहे सेवानिवृत्त अधिकारी को जेसीबी ने रौंदा, घटना स्थल पर दम तोड़ा

भोपाल। चूनाभट्टी इलाके में सेवानिवृत अधिकारी अपने घर से जैन मंदिर के लिए निकले थे। मंदिर से दर्शन करने के बाद वह वापस पैदल पैदल घर लौट रहे थे। रास्ते में मुख्य मार्ग पर कोलार सीवरेज लाइन के निर्माण में लगी जेसीबी मसाला मशीन ने रिवर्स करते समय उनको रौंद डाला। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना दर्दनाक था कि उनके कमर से नीचे का हिस्सा अलग हो गया था। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। चूनाभट्टी पुलिस के अनुसार 76 वर्षीय चंद्रसेन जैन चूनाभट्टी स्थित छत्रपति नगर में परिवार के साथ रहते हैं। वह पंचायत विभाग के सचिव पद सेवानिवृत्त हुए थे। एएसआइ बाबूलाल ने बताया कि वह हमेशा सुबह की सैर पर टहलने जाते थे। रविवार सुबह भी वे अपने घर से सैर करने निकले थे। वापसी में जैन मंदिर में दर्शन करने के बाद अपने घर जा रहे थे। रास्ते में सिद्धि भवन के सामने जेसीबी की बडी सीमेंट और गिटटी का मिक्सचर बनाने वाली मसाला मशीन काम कर रही थी। जेसीबी के चालक ने वाहन को पीछे लिया, इस दौरान वह उसकी चपेट में आ गए। जब लोगों ने उनको मशीन के पहिये के नीचे दबा पाया तो शोर मचाया। तब जाकर वाहन रूका। तब पहिया उनके कमर के नीचे से निकल गया था। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। आरोपित चालक ने जैन को जेसीबी के पहिए के नीचे दबा छोड़कर मौके से फरार हो गया। मृतक चंद्रसेन के तीन बेटे हैं। एक बेटा भी जैन मंदिर से दर्शन कर वापस लौट रहा था। तभी रास्ते में उसने हादसे में एक व्यक्ति को जमीन पर पड़ा देखा, जब पुलिस कर्मियों से उन्होंने पूछा तब पुलिस उनकी शिनाख्त करने की कोशिश कर रही थी। पुलिस ने मोबाइल पर फोटो दिखाया तो उनके बेटे ने अपने पिता के रूप में शिनाख्त की। बाद में उनके शव को पीएम के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। वह कुछ दिन पहले कोरोना संक्रमित हो गए थे। कोरोना हराकर वह रोजाना की तरह घूमने जाने लगे थे। उनके हाथ में एक छडी रहती थी। पुलिस को शव भी वाहन के नीचे से निकलने के काफी मशक्कत करनी पडी। आरोपित जेसीबी चालक पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। जल्द ही आरोपित को गिरफ्तार किया जाएगा।

एमसीयू ने नए शैक्षणिक सत्र से शुरू किए 29 पाठ्यक्रम

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय(एमसीयू) में शैक्षणिक सत्र 2021-22 से नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत नए कोर्स प्रारंभ किए जा रहे हैं। सोमवार को विश्वविद्यालय द्वारा अपने विभिन्न परिसरों के 29 पाठ्यक्रमों में प्रवेश की अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसके अनुसार 31 जुलाई तक आनलाइन आवेदन किए जा सकते हैं। आगामी शिक्षा सत्र से तीन या चार वर्षीय सात ग्रेजुएट ऑनर्स पाठ्यक्रम शुरू होंगे। वहीं फिल्म और ग्रामीण पत्रकारिता में दो नए पीजी डिप्लोमा कोर्स भी शुरू किए गए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.केजी सुरेश ने कहा है कि विश्वविद्यालय के नए सत्र 2021-22 में सात पाठ्यक्रमों को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार तैयार किया गया है। इन पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों को संपूर्ण विकास सहित अन्य प्राविधानों की सुविधा मिलेगी। विश्वविद्यालय द्वारा पत्रकारिता, जनसंचार, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, न्यू मीडिया, फिल्म प्रोडक्शन, विज्ञापन एवं जनसंपर्क, मीडिया मैनेजमेंट, कंप्यूटर साइंस एवं एप्लीकेशन और लाइब्रेरी एवं इंफॉर्मेशन साइंस से संबंधित डिप्लोमा, डिग्री एवं रिसर्च के 29 पाठ्यक्रमों के लिए भोपाल, रीवा और खंडवा परिसर में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आगामी शिक्षा सत्र से विश्वविद्यालय अपने खंडवा परिसर में फिल्म अभिनेता किशोर कुमार की स्मृति में फिल्म पत्रकारिता और रीवा परिसर में ग्रामीण पत्रकारिता में एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा भी शुरू कर रहा है। सभी पाठ्यक्रमों की सीमित सीटों के लिए मेरिट आधार पर होने वाले प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई है, जबकि प्रथम चयन सूची 12 अगस्त को जारी की जाएगी। विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

जिनकी खातिर जिंदगीभर की जमापूंजी से बनाया सपनों का घर, वही बेघर करने पर उतारू हो गए

भोपाल। रातीबड़ पुलिस ने एक बुजुर्ग व्यक्ति की शिकायत पर उसके दो बेटों के खिलाफ अभिभावक एवं वरिष्ठ नागरिक कल्याण अधिनियम 2007 की धारा 25 के तहत केस दर्ज किया है। फरियादी एमपीआडीसी से सेवानिवृत्त है। उसकी शिकायत है कि उसके दोनों बेटे उसके साथ बुरा बर्ताव करते हैं और उसका तनिक भी ख?याल नहीं रखते। यह तब है, जबकि बुजुर्ग फरियादी के दोनों बेटे उसी के द्वारा बनाए गए मकान में रह रहे हैं। बेटों की हरकतों की वजह से बुजर्ग अपने ही मकान में बेगानों की तरह जीने को मजबूर है। रातीबड़ थाना प्रभारी सुधेश तिवारी ने बताया कि इलाके में स्थित सिद्धि विनायक परिसर निवासी अशोक सिंह (60) ने इस संबंध में शिकायत की थी। उनके बेटे पुष्पेंद्र और प्रशांत उनका ध्यान नहीं रख रहे थे। पुलिस ने जब दोनों बेटों की काउंसलिंग कराई तो हकीकत सामने आई। अशोक के रिटायर्ड होने पर जो पैसा मिला था, उसे उन्होंने मकान बनाने में लगा दिया। इस मकान में दोनों बेटे अपने परिवार के साथ रहते हैं। लेकिन उनका बर्ताव अपने बुजुर्ग पिता से बहुत बुरा है। वे दोनों उन पर घर से बाहर निकल जाने दबाव बनाते थे। शिकायत मिलने के बाद दोनों बेटों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

कोरोना काल में छिन गया मैनिट के सफाईकर्मियों का रोजगार

भोपाल । राजधानी में स?थित मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मैनिट) में सफाईकर्मियों को नौकरी से निकालने का मामला सामने आया है। मैनिट से करीब 90 सफाईकर्मियों को नौकरी से बेदखल कर दिया गया है। सभी सफाई कर्मचारी कोरोना काल में मैनिट प्रशासन के इस कदम से बहुत नाराज और दुखी हैं। सफाई कर्मचारियों का कहना है कि कोरोना काल में अब उन्हें नौकरी कहां मिलेगी और उनके परिवार का पालन-पोषण कैसे हो पाएगा। इस संबंध में सफाईकर्मियों ने बताया कि मई 2021 में ठेका पूरा होने के बाद नया ठेका जारी हुआ। इसके बाद नए ठेकेदार ने लगभग 90 सफाईकर्मियों को जो कि हॉस्टल सेक्टर और कॉलोनी सेक्टर दोनों में कार्य करते हैं, उन्हें नौकरी से निकाल दिया। वहीं सफाई कर्मचारी अपनी शिकायत लेकर एक्जीक्यूटिव इंजीनियर राकेश कुमार, रजिस्ट्रार एवं निदेशक के पास गए, लेकिन उन्हें बाहर से ही भगा दिया गया। इस प्रकार ठेकेदार और मैनिट के अधिकारियों के बीच सफाई कर्मचारी पिस रहे हैं। सफाई कर्मियों का नेतृत्व कर रहे राजकुमार मालवीय ने इस संबंध में भोपाल सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर को ज्ञापन भी सौंपा। सांसद ने सभी सफाईकर्मियों को आश्वासन दिया कि उनके साथ न्याय होगा।

कोरोना काल में मात्र छह हजार रुपये दिया वेतन

सफाईकर्मी लखन लोहट और अनीता नरवारे ने बताया कि मैनिट में सफाईकर्मी पिछले 15-20 साल से कार्य कर रहे हैं। मैनिट परिसर बड़ा है। यहां और अधिक सफाईकर्मियों की आवश्यकता है, लेकिन संख्या घटाई जा रही है। एक सफाईकर्मी से बहुत अधिक कार्य करवाया जा रहा है। ठेकेदारों की मनमानी लगातार बढ़ती जा रही है। उन्होंने बताया कि उनका वेतन 12 हजार 200 रुपये निर्धारित है, जबकि प्रत्येक कर्मचारी को वेतन में से तीन हजार ठेकेदार को देने पड़ते हैं। वहीं, कोरोना काल में यह राशि मात्र छह हजार रुपये कर दी गई।

इलेक्शन पैटर्न पर वेक्सीनेशन के लिए तैयार करें कार्ययोजना

टीकाकरण के कार्य में रेडक्रॉस, एनजीओ और स्वयंसेवी संस्थाओं का लें सहयोग

कटनी। कोरोना टीकाकरण के प्रति प्रभावी कार्ययोजना बनाकर काम करने की जरुरत है। शासन के निर्देशों के अनुसार चौबीस घंटे के भीतर इलेक्शन मोड पर वेक्सीनेशन के लिये प्लानिंग बनायें और प्रस्तुत करें। यह निर्देश कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने सोमवार को जिला क्राईसिस मैनेजमेन्ट ग्रुप के कार्यों व गतिविधियों की समीक्षा के दौरान दिये। इस दौरान उन्होने शासन द्वारा टीकाकरण को लेकर जारी समस्त आदेशों की विस्तार से जानकारी भी संबंधित अधिकारियों को दी। उन्होने कहा कि हमारी प्लानिंग कमजोर नहीं होनी चाहिये। हम लोगों की भ्रांतियां दूर करें और उन्हें टीकाकरण के लिये प्रेरित करें। इस कार्य में रेडक्रॉस सोसायटी सहित एनजीओ और स्वयंसेवी संस्थाओं को जोड़ने के निर्देश भी कलेक्टर ने दिये। उन्होने कहा कि शासन द्वारा उच्च जोखिम श्रेणी में रखे गये लोगों का वेक्सीनेशन प्राथमिकता पर कराया जाये। कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि अब ब्लॉकलेवल क्राईसिस मैनेजमेन्ट ग्रुप की बैठक आयोजित करें। मैं स्वयं भी इन बैठकों में शामिल होउंगा।

बैठक में स्वयंसेवियों, एनजीओ के प्रतिनिधियों के साथ ही एनसीसी और एनएसएस के मेम्बर्स को भी बुलायें। वीकली वेक्सीनेशन का कैलेण्डर तैयार करें। होटल और रेस्टॉरेन्ट के संचालकों और उनके कर्मचारियों का वेक्सीनेशन हो, इसके प्रति जागरुकता के उद्देश्य से बैठक आयोजित करें और उन्हें शीघ्र ही वेक्सीनेशन कराने के लिये प्रेरित करें। बैठक में शिक्षा विभाग को कोविड वेक्सीनेशन के प्रति जागरुकता के कार्य में जोड़ने के निर्देश भी कलेक्टर ने दिये। उन्होने एनसीसी और एनएसएस के छात्रों को रेड जोन की पंचायतों में काम करने और ग्रामीणों को प्रेरित कर टीकाकरण कराने के कार्य में जोड़ने के निर्देश भी कलेक्टर ने दिये। बैठक में जनता कर्फ्यू के प्रभावी क्रियान्वयन, जिला अस्पताल के विस्तारीकरण, कोविड काल में उपलब्ध चिकित्सीय संसाधनों के सधारण का रिव्यू भी कलेक्टर ने किया और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये। स्लीमनाबाद और कन्हवारा चिकित्सा परिसरों में सेन्ट्रलाईन ऑक्सीजन सप्लाई लाईन का प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश सीएमएचओ को कलेक्टर ने दिये। बैठक में सैम्पलिंग, आयुष्मान कार्ड, कांटेक्ट ट्रेसिंग सहित अन्य विषयों का रिव्यू भी श्री मिश्रा ने किया। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत जगदीश चन्द्र गोमे, अपर कलेक्टर रोहित सिसोनिया सहित संबंधित अधिकारी भी उपस्थित थे।

पुरवार शाला में ऑनलाइन चित्रकला स्पर्धा का आयोजन

कटनी। स्थानीय शासकीय पुरवार हाईस्कूल में विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन भोपाल के निर्देशन में स्कूल के ईको क्लब के विद्यार्थियों द्वारा पौधा रोपण किया गया। साथ ही विज्ञान प्रभारी ज्योत्स्ना मिश्रा मैडम के मार्गदर्शन में ऑनलाइन चित्रकला स्पर्धा का आयोजन किया गया। शाला के छात्र निखिल चक्रवर्ती, सत्यम कोरी, रागनी रजक, खुश्बू साहू, प्रिया चक्रवर्ती, निशा बर्मन, रेशमा बर्मन आदि ने इकोसिस्टम रिस्ट्रोरेशन विषय पर सुंदर कलाकृतियों की प्रस्तुति ऑन लाइन प्रस्तुत की। बाद में चयनित प्रस्तुतियां को राज्य स्तर पर मूल्यांकन के लिए प्रेषित किया गया। इस सफल आयोजन के लिए शाला के प्राचार्य आलोक पाठक एवं जिला नोडल अधिकारी राजेश अग्रहरि द्वारा विज्ञान प्रभारी ज्योत्सना मिश्रा एवं पदमा सराफकी सराहना करते हुए उत्साह वर्धन किया गया।

आमगांव में 10 जून को टीकाकरण शिविर का आयोजन

कटनी। कोविड टीकाकरण को सफल बनाने और लोगो में जागरूकता लाने के लिए बड़गांव जन शिक्षा केन्द्र में बैठक आयोजित कर केंद्र प्रभारी अनूप सिंह एवं जनशिक्षक विपिन तिवारी ने स्वसहायता समूह की महिलाओं को इसमें आगे आकर लोगो को प्रेरित करना होगा। विपिन तिवारी ने कहा कि इसमें किसी को कोई दिक्कत नहीं होती, कोरोना से बचाव के लिए टीका लगना आवश्यक है तभी हम भयंकर महामारी से बच सकयंगे तिवारी ने बताया कि केंद्र के सभी टीचरो ने संकल्प लिया है कि सभी मिलकर लोगो को जागरूक कर इस अभियान को मजबूत करेंगे इस अवसर पर जन शिक्षक राकेश जैन कृष्ण कुमार बागरी सहायक प्रबंधक आजीविका उपस्थित थे वही आमगांव में भी आगामी 10 जून को होने वाले बृहद कोविड वैक्सीन शिविर को सफल बनाने के लिए जनपद सीईओ प्रदीप सिंह ने स्वसहायता समूह टीचरो ओर अन्य लोगो से टीका लगवाने आगे आने की अपील की इससे कोई भी नुकसान नही है। बैठक में मिल्लू चक्रवर्ती नवीन साहू मनोज शर्मा उपस्थित थे।

कृषक मित्र के लिए 15 जून तक जमा होंगे आवेदन

कटनी।

भारत सरकार सहायित सब मिशन आत्मा अंतर्गत वर्ष 2021-22 के लिये कृषक मित्र का चयन किया जाना है। जिसके तहत दो आबाद ग्रामों पर एक किसान मित्र के रुप में चयन करने का प्रावधान है। परियोजना संचालक आत्मा ने जानकारी में बताया कि आत्मा योजना अंतर्गत किसान मित्र के चयन के आवेदन प्रक्रिया में आंशिक संशोधन किया गया है। जिसमें पूर्व में निर्धारित आयु सीमा को 40 वर्ष को संशोधित कर न्यूनतम 25 वर्ष किया गया है। नवीन जारी दिशा निर्देशों के तहत चयन हेतु योग्यता रखने वाले कृषक किसान मित्र के लिये अपना आवेदन 15 जून के पूर्व बीटीएम, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी को अपने विकासखण्ड मुख्यालय पर संपूर्ण रुप से भरकर जमा कराना होगा। किसान मित्र के चयन के लिये प्रगतिशील एवं अनुभवी कृषक जिसकी उम्र 25 वर्ष या उससे अतिक हो, कम से कम हाईस्कूल पास, दो ग्राम में से एक का निवासी होना अनिवार्य है। इसके साथ ही स्वयं की कृषि भूमि होना चाहिये। किसी भी शासकीय, अर्धशासकीय, अशासकीय एवं किसी भी अन्य लाभ के पद पर ना हो तथा कृषक पर किसी भी प्रकार का आपराधिक प्रकरण भी दर्ज नहीं होना चाहिये।

सूने मकान में 15 लाख की चोरी

विगढ़ के देवराकला में वारदात, ससुराल गया था पटेल परिवार

पुलिस ने जांच के बाद दिया कार्रवाई का आश्वासन

कटनी। विजयराघवगढ़ थाना अंतर्गत ग्राम देवराकला में एक सूने मकान में 3 लाख रूपए नगद सहित लगभग 15 लाख की सनसनीखेज चोरी का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत लेकर जांच करने के बाद कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। इस संबंध में ग्राम देवराकलां निवासी सुखविंदर पिता जमुना प्रसाद पटेल ने बताया कि वह 6 जून को मकान में ताला लगाकर परिवार सहित अपनी ससुराल करहिया गया था। जहां से वह 7 जून की सुबह वापस लौटा तो देखा कि मकान का ताला टूटा हुआ है तथा अंदर सामान बिखरा पड़ा है। जिससे उसे यह समझते देर नहीं लगी कि उसके सूने मकान को बदमाशों ने निशाना बनाया है। सुखविंदर के मुताबिक चोरी की वारदात में मकान के अंदर से बदमाशों ने 3 लाख रूपए नगद सहित लगभग 15 लाख रूपए कीमती सोने व चांदी के जेवरात पार कर दिए हैं। सुखविंदर के द्धारा चोरी की सूचना लिखित रूप से विजयराघवगढ़ पुलिस से की गई है। पुलिस ने शिकायत की जांच करते हुए कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

पर्यावरण बचाने शुरू हुई वृक्षों को गोद लेने की मुहिम

विश्व पर्यावरण दिवस पर आयुध निर्माणी में पूरे सप्ताह रोपे जाएंगे 350 पौधे

कटनी। आयुध निर्माणी में विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित सघन वृक्षारोपण अभियान के तहत निर्माणी और रहवासी क्षेत्र में करीब 150 पौधे रोपे गए। वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि व निर्माणी महाप्रबंधक गुरूदत्ता रे, विशिष्ट अतिथिए आर सी विश्वकर्मा, वन मंडल अधिकारी की उपस्थिति में किया गया। इस मौके पर निर्माणी महाप्रबंधक ने कहा कि यह दिन हमें याद दिलाता है कि प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण हमारे लिए कितना महत्वपूर्ण है। पेड़ों के साथ एक दोस्त जैसा रिश्ता रखना चाहिए। जितना अधिक आपसी आदान-प्रदान, उतना ही मजबूत रिश्ता। वृक्षों को अपना मित्र बनाएं। उन्होंने सभी कर्मचारियों और इस्टेट निवासियों से अपील की कि पौधों की देखभाल करने और उन्हें अपनाने की पहल को आगे बढ़ाएं। वृक्षारोपण के दौरान मौजूद विशिष्ट अतिथि एवं डीएफओ आर सी विश्वकर्मा ने कहा कि पर्यावरण के प्रति जन जागृति लाने जिले भर में समाज के हर वर्ग की ओर से वृक्ष लगाएं जा रहें हैं। कोरोना महामारी के संकट में लोग अब पेड़, वायु और जमीन की अहमियत को भलीभांति जान चुके हैं। उन्होंने आयुध निर्माणी प्रबंधन द्वारा पेड़ों को गोद लेने की मुहिम को सराहनीय और प्रेरणात्मक बताया। वृक्षों को गोद लेने की मुहिम की शुरूआत, पौधे लगाने से ज्यादा जरूरी संरक्षण व देखभाल है। महाप्रबंधक गुरूदत्ता रे के निर्देशानुसार आयुध निर्माणी कर्मचारियों और क्षेत्र के रहवासियों के लिए वृक्षों को गोद लेने उन्हें अपनाने की पहल शुरू की है। इसमें वर्षभर पौधे की समुचित देखभाल व सुरक्षा करने वाले व्यक्ति को पुरस्कृत भी किया जाएगा। कई रहवासियों ने मैत्री उद्यान में रोपे गए पौधे की जिम्मेदारी ले, उनके संरक्षण का संकल्प लिया। पर्यावरण सप्ताह के दौरान निर्माणी और रहवासी परिसर में करीब 350 पौधे लगाए जाएंगे। कोविड-19 के सुरक्षा प्रोटोकाल के मद्देनजर सादगीपूर्ण समारोह के दौरान निर्माणी के वरिष्ठ अधिकारी, अनुभाग प्रमुख, यूनियन, एसोशिएसन के पदाधिकारी, जेसीएम तृतीय, संयुक्त सचिव बीपीएमएस व जेसीएम चतुर्थ और कार्य समिति के सदस्य उपस्थित थे।

समय रहते वैक्सीनेशन होता तो इतनी संख्या में लोगों की जान नहीं जाती–करण सिंह

भाजपा सरकार ने छह महीने में तीन बार वैक्सीन नीति बदली

कटनी। मोदी सरकार ने समय रहते सौ साल में आई सबसे बड़ी विपत्ति को पहचान लिया होता, तो देश में इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जान नहीं जाती। समय रहते वैक्सीनेशन हो सकता था, लेकिन तब सरकार रैलियों में व्यस्त थी। यह आरोप लगाते हुए पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष करण सिंह चौहान ने कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद केंद्र सरकार ने अपनी जिम्मेदारी स्वीकार कर ली है, तो वैक्सीनेशन का काम युद्ध स्तर पर होना चाहिए, ताकि तीसरी लहर भारत में नहीं आ सके। ज्ञात है कि सुप्रीम कोर्ट ने मोदी जी और उनकी सरकार को कटघरे में लाकर खड़ा कर दिया, कई हाईकोर्ट्स ने तो मोदी सरकार की नीति पर प्रश्न चिन्ह लगाया है। उसके बाद केन्द्र सरकार ने वैक्सीनेशन का भार राज्यों के कंधे पर डाल दिया था। नतीजा यह हुआ कि समय रहते वैक्सीन नहीं मिली। आजादी के बाद से ही कांग्रेस सरकार ने देश को बीसीजी, चेचक के अलावा पोलियो, रेबीज, डिप्थीरिया, टिटनेस जैसी गंभीर बीमारियों के टीके के निर्माण में सक्षम बना दिया था। 1978 में भारत के राष्ट्रीय टीकाकरण अभियान से दुनिया भर ने सीखा। पूर्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष करण सिंह चौहान ने आरोप लगाया है की भाजपा सरकार अपनी नाकामी का ठीकरा दूसरों पर फोड़ने की बजाय, इतिहास व सच्चाई को पढ़ लेते तो शायद आज देश मे जीवन को लेकर ऐसा संकट नही आता और ना वैक्सीन को लेकर हमारे देश की यह स्थिति होती। केंद्र सरकार छह महीने में तीन बार वैक्सीन नीति खुद बदल राज्यों पर ठीकरा न फोड़ें बल्कि मिल कर काम करें।

मोदी जी ने यह अभी भी कर दिया कि पच्चीस परसेंटेज वैक्सीन प्राइवेट सेक्टर खरीदेगा, यानी अगर आप नौकरी पेशा व्यक्ति हैं या आप प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले कर्मचारी हैं तो आपके लिए टीकाकरण आज भी मुफ़्त नहीं साबित होगा श्री चौहान ने भाजपा सरकार से कांग्रेस की मांग मान जाने का आग्रह किया है जिसमें प्रमुख रुप से 18 साल से अधिक के सब भारतीयों के लिए वैक्सीन फ्री हो– सरकारी व प्राइवेट अस्पताल में।

नाना–नानी के यहां आए बालक की गाज गिरने से मौत

कटनी।

कैमोर थाना अंतर्गत ग्राम नंहवाराकला में नाना-नानी के यहां आए एक 13 वर्षीय बालक की सोमवार की दोपहर आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। कैमोर थाना प्रभारी अरविंद जैन ने बताया कि स्लीमनाबाद थाना अंतर्गत ग्राम धनवाही निवासी 13 वर्षीय अभिषेक पिता रामसुजान जायसवाल अपने नाना-नानी के यहां ग्राम नंहवाराकला आया हुआ था। सोमवार की दोपहर अभिषेक अपने हमउम्र दोस्तों के साथ छोटे तालाब के पास खेत में खेल रहा था। उसीदौरान मौसम बिगड़ा और बादलों की तेज गर्जना के साथ गिरी गाज ने अभिषेक को अपनी चपेट में ले लिया। जिसके कारण उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शवपरीक्षण कराते हुए मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

नाम सुधार

मैं घोषणाकर्ता/सूचनादेयता विनोद कुमार पृथ्यानी (VINOD KUMAR PRITHIANI) पिता स्व. प्रेमचंद्र पृथ्यानी, आयु 45 वर्ष निवासी बाबा नारायण शाह वार्ड, हॉस्पिटल लाईन, माधवनगर कटनी जिला-कटनी (म.प्र.) घोषित/सूचित करता हूं कि मेरा नाम आयुध निर्माणी, कटनी के सर्विस रिकार्ड में विनोद कुमार प्रिथानी (VINOD KUMAR PRITHANI) दर्ज है, जो कि मेरा वास्तविक नाम विनोद कुमार पृथ्यानी (VINOD KUMAR PRITHIANI) है, जो सत्य- सही है तथा मेरे सभी औपचारिक दस्तावेज आधार कार्ड, पेनकार्ड आदि में दर्ज है। अस्तु मेरा वास्तविक नाम विनोद कुमार पृथ्यानी (VINOD KUMAR PRITHIANI) है, इसी नाम से जाना पहचाना जाए।

कटनी,
दिनांक - 04-06-2021

विनोद कुमार पृथ्यानी
(VINOD KUMAR PRITHIANI)
पिता स्व. प्रेमचंद पृथ्यानी,
घोषणाकर्ता/सूचनादेयता

न्यूनतम मूल्य में पाएं अधिकतम लाभ

यश भारत

कलर क्लासीफाइड

1 दिन	–	150/–
3 दिन	–	250/–
7 दिन	–	500/–
15 दिन	–	1200/–
30 दिन	–	1800/–

साईज– 5x1

आवश्यकता, खरीदना–बेचना
अपने व्यापार को बढ़ावा दें

बुकिंग हेतु संपर्क करें

यश भारत
कचहरी चौक, कटनी

फोनः– 07622–230033
Email :- katni@yashbharat.com

बुआ सबा ने शेयर की सारा अली खान के बचपन की फोटो

नई दिल्ली। सारा अली खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैन्स के लिए हमेशा रिफ्रेशिंग फोटोज और वीडियो शेयर करतीं हैं। इस बार सारा की बुआ सबा खान ने उनके बचपन की फोटो शेयर की है। सारा ने बुआ के प्रोफाइल से ये फोटो अपने इंस्टा स्टोरी पर शेयर की है। बुआ सबा के द्वारा शेयर की गई फोटो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इस फोटो पर फैंस जमक कर लाइक कमेंट की बरसात कर रहे हैं।

सारा की क्यूटनेस

सारा अली खान की बुआ सबा ने हाल ही में सारा के बचपन की फोटो शेयर की है, जिसमें वह मां अमृता के साथ नजर आ रही हैं। खास बात ये है कि सबा ने इस फोटो के जरिए अमृता सिंह की तारीफ भी कर दी है। सबा ने जो फोटो शेयर की उसमें नन्ही सी सारा अपनी मां अमृता की गोद में हैं। और दोनों ही इस फोटो में खिलखिला कर हंस रहीं हैं।

फोटो शेयर कर लिखा...

सबा ने फोटो शेयर करके लिखा है कि एक मां की दुनिया और पर्यावरणज.. उसका बच्चा है। यह तस्वीर एक पुराने आर्काइव से मिली। आपके द्वारा सही मायने में लिया गया। सबा की इस फोटो को अब खुद सारा ने भी अपने स्टेट्स पर शेयर किया है, सारा ने फोटो शेयर करके लिखा है कि मेरी पूरी दुनिया को विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं, मेरे आस-पास हमेशा बेहतरीन माहौल बनाने के लिए शुक्रिया।

सारा ने भी शेयर किया था अपनी वीडियो

दरअसल, विश्व पर्यावरण दिवस पर सारा ने भी एक वीडियो शेयर किया था। वीडियो में सारा बोल रही हैं- नमस्ते दर्शकों, जैसा कि आप सुन सकते हैं कि ये है पानी की ध्वनि, ये बहुत खूबसूरत है सो सनी(स्ह्वठ्ठ4), हवा है प्यारी, स्वीट एज हनी। प्लीज लाइक शेयर एंड सब्सक्राइब अगर आपको लगे कि ये है फनी।

अतरंगी रे में आईंगी नजर

वर्कफ्रंट की बात करें तो सारा अली खान अब अक्षय कुमार और साउथ सुपरस्टार धनुष के साथ अतरंगी रे में नजर आएंगी। इस फिल्म से सारा और उनके फैंस को काफी ज्यादा दी उम्मीदे हैं।

गोपी बहू बनने वाली हैं दुल्हनिया पर नहीं बताना चाहतीं बॉयफ्रेंड का नाम

नई दिल्ली। साथ निभाना साथिया की गोपी बहू यानि देवोलीना भट्टाचार्जी इनदिनों अपनी बोल्ड फोटोज से फैन्स के होश उड़ा रहीं, वहीं उन्होंने एक और चौंकाने वाला खुलासा किया है। अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में कम ही बात करने वाली देवोलीना ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि वो जल्द ही शादी करने वाली हैं। देवोलीना से जब उनके बॉयफ्रेंड का नाम पूछा गया तो उन्होने बताने से मना कर दिया। उन्होंने नाम ना बताने की वजह भी बताई है। इससे पहले भी देवोलीना बिग बॉस 14 में जाहिर कर चुकी हैं कि वो किसी को डेट कर रही हैं पर उसका नाम नहीं बताया था।

अगले साल कर सकती हैं शादी

एंटरटेनमेंट टाइम्स से बात करते हुए देवोलीना ने शादी को लेकर कहा, हम दोनों इसी साल शादी की प्लानिंग कर रहे थे, लेकिन अब हमने इसे अगले साल तक पोस्टपोन कर दिया है। मैं इस महामारी के खत्म होने का इंतजार कर रही हूं ताकि मैं शादी को लेकर प्लान कर सकूं। फिलहाल मैं अपने रिलेशनशिप में बहुत खुश हूं, लेकिन आपको नहीं पता कब क्या हो जाए। मैं लाइफ और सिचुएशन को समझने में समय ले रही हूं। हालांकि मेरा पार्टनर काफी समझदार और सपोर्टिव है, लेकिन किसी को नहीं पता कि आने वाले समय में क्या हो जाए। मैं वैसे भी उनमें से नहीं हूं जो चीजें छिपाऊं। एक बार मैंने शादी करने का फैसला ले लिया तो मैं सभी को बता दूंगी।

बॉयफ्रेंड का नाम नहीं बता सकती

इंटरव्यू के दौरान देवोलीना ने जब बॉयफ्रेंड का नाम पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मैं अभी नहीं बता सकती। देवोलीना ने कहा, मैं अभी अपने पार्टनर का नाम बताने के लिए तैयार नहीं हूं। वह भी पब्लिक में अपना नाम आने में कम्फर्टेबल नहीं है क्योंकि वह इस इंडस्ट्री से नहीं हैं। अगर सबको उनके बारे में पता चल गया तो सोशल मीडिया पर सब उन्हें फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजेंगे जो कि हम नहीं चाहते। मैं अपनी पर्सनल लाइफ को कवर करके ही रखना चाहती हूं।

साथ निभाना साथिया 2 के प्रीक्वल पर ये कहा...

ये पूछने पर कि क्या आप साथ निभाना साथिया के प्रीक्वल का भी हिस्सा हैं ? देवोलीना ने कहा, %मैं साथ निभाना साथिया 2 का हिस्सा रही हूं. अभी तक प्रीक्वल के लिए मुझे किसी ने अप्रोच नहीं किया है. सच कहूं तो मुझे इस प्रीक्वल के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

दिलबर से लेकर साकी-साकी तक यूट्यूब पर मिले सबसे ज्यादा व्यू

नई दिल्ली। नेहा कक्कड़ का आज 32 वां जन्मदिन है नेहा कक्कड़ को पहला बड़ा ब्रेक म्यूजिक डायरेक्टर प्रीतम ने दिया थाद्य उन्हें सैफ अली खान की फिल्म कॉकटेल में गाने का अवसर मिला था नेहा कक्कड़ बॉलीवुड की पसंदीदा फीमेल सिंगर हैद्य नेहा कक्कड़ का 6 जून को जन्मदिन होता हैद्य नेहा कक्कड़ का करियर काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा हैंद्य उन्होंने 4 वर्ष की उम्र में ही गाना शुरू कर दिया थाद्य अपनी बड़ी बहन सोनू कक्कड़ के साथ वह दुर्गा मां के जगराते में गाना गाया करती थीद्य उन्हें जय माता दी गर्ल के नाम से जाना जाता था नेहा कक्कड़ ने इंडियन आइडल में 2005 में भाग लिया थाद्य तब वह 16 वर्ष की थीद्य इसके लिए उन्हें बहुत सराहना मिलीद्य हालांकि कम वोट मिलने के चलते उन्हें शो छोड़कर जाना पड़ाद्य इसके बाद उन्होंने साउथ म्यूजिक इंडस्ट्री में काम करना शुरू कियाद्य उन्हें वहां कई फिल्म फेयर अवॉर्ड भी जीतेद्य इसके बाद उन्हें काम मिलने लगा नेहा को

असली ब्रेक सैफ अली खान की फिल्म कॉकटेल के गाने सेकंड हैंड जवानी के जरिये मिलाद्य यह गाना काफी पसंद किया गया था फिर उन्होंने फिल्म क्वीन में लंदन ठुमक दा गब्बर इस बैक में आओ राजा , यारियां में सनी-सनी जैसे गाने गाए नेहा कक्कड़ एकमात्र भारतीय गायिका है, जिन्हें यूट्यूब ने डायमंड अवार्ड दिया हैद्य इसके पीछे कारण यह है कि उनके यूट्यूब चैनल पर एक करोड़ से ज्यादा सब्सक्राइबर्स हैद्य 2017 में नेहा ने तनिष्क बागची के रिमिक्स पर काम करना शुरू किया थाद्य उन्होंने दिलबर, आंख मारे, ओ साकी-साकी, एक तो कम जिंदगानी जैसे कई गाने गाए हैंद्य सत्यमेव जयते फिल्म का गाना %दिलबर% पहला भारतीय गाना बना है जो कि बिलबोर्ड यूट्यूब म्यूजिक चार्ट पर तीसरे नंबर पर पहुंचा है नेहा कक्कड़ सिंगिंग रियलिटी शो सा रे गा मा लिटिल चैंप्स और इंडियन आइडल को जज कर चुकी हैद्य नेहा कक्कड़ ने कई फिल्मों में गाने गाए हैंद्य उनके गाने काफी पसंद किए जाते हैंद्य वह सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय हैद्य वह अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती है जो कि बड़ी तेजी से वायरल होती है।

वुरुण बोले धवन सभी डॉक्टर भगवान समान...

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की इस महामारी में बहुत से डॉक्टरों पर हमला देखने मिल रहा है। अब तक कई डॉक्टरों पर हमला हो चुका है। ऐसे में बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन ने डॉक्टरों पर होने वाले हमलों की निंदा की है। वरुण धवन बॉलीवुड के उन कलाकारों में से एक हैं जो देश के कई मुद्दों पर अपनी बेबाकी से राय रखने के लिए जाने जाते हैं ।उन्होंने हाल ही में अपने फैंस के साथ लाइव सेशन किया है। इस सेशन में वरुण धवन ने अपने फैंस से ढेर सारी बाते कीं और कोरोना महामारी में डॉक्टरों और स्वास्थ्य वर्कर्स पर होने वाले हमलों को लेकर चिंता जाहिर की। साथ ही ऐसे हमलों की निंदा भी की है। बीते कुछ दिनों के अंदर कोरोना पीड़ित मरीजों की परिजनों की ओर से डॉक्टरों पर हमला करने की खबरें सामने आई हैं। ऐसे में वरुण धवन ने इन हमलों पर दुख जताया है ।अभिनेता ने अपने लाइव सेशन के दौरान कहा है कि यह दुखद है कि उन्हें डॉक्टरों के ऊपर हिंसा के बारे में बात करनी पड़ रही है और लोगों को जागरूक करना पड़ रहा है कि यह सही नहीं है। वरुण धवन ने कहा है कि डॉक्टर सभी के लिए भगवान के समान हैं, खासकर मौजूदा स्थिति में। उन्होंने आगे कहा कि जनता को यह समझना चाहिए कि अगर कोई मरीज अपनी जान गंवाता है तो यह उनकी गलती नहीं है ।वरुण धवन ने उम्मीद जताई है कि हर कोई इसके बारे में जागरूकता फैलाएगा और डॉक्टरों के साथ खड़ा होगा। इस बीच, लाइव चैट शुरू करने से पहले, अभिनेता ने अपने फैंस को यह भी बताया कि अपनी फिल्मों की शूटिंग फिर से शुरू करने से पहले वह कोरोना वैक्सीन लगवाएंगे। आपको बता दें कि वरुण धवन इन दिनों अपनी अपने वाली फिल्म भेड़िया को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म का निर्देशन अमर कौशिक कर रहे हैं। फिल्म भेड़िया इस हॉरर कॉमेडी फिल्म होगी। इस फिल्म में वरुण धवन के साथ अभिनेत्री कृति सेनन, अभिषेक बनर्जी नजर आने वाले हैं। हाल ही उन्होंने भेडिया के अरुणाचल प्रदेश शेड्यूल को रैप अप किया है, जिसकी जानकारी उन्होंने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कर दी थी। इसके अलावा वह फिल्म जुग जुग जियो में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वरुण धवन के साथ अभिनेता अनिल कपूर और अभिनेत्री नीतू कपूर दिखाई देने वाली हैं।

मां बनने वाली हैं सपना चौधरी?

नई दिल्ली। हरियाणवी डांसर सपना चौधरी अपने गानों की वजह से हमेशा ही सुर्खियां बटोरती रहती हैं। आज उनके गानें न सिर्फ हरियाणा बल्कि हर जगह धूम मचाते हैं। उनका डांस देख फैंस मदहोश हो जाते हैं। सपना ने हर इंडस्ट्री में अपने काम कर दम दिया है। वह डांस और एक्टिंग के अलावा सोशल मीडिया पर भी छाई रहती हैं। सपना चौधरी का हर अंदाज देखते ही देखते वायरल हो जाता है। इसी बीच सपना की एक तस्वीर सामने आई है जो उनके फैंस के लिए किसी बड़े सरप्राइज से कम नहीं है। इस तस्वीर में सपना बेबी बंप के साथ नजर आ रही हैं। सपना चौधरी की एक तस्वीर इन दिनों काफी सुर्खियों में बनीं हुई है। इस तस्वीर में वह बेबी बंप फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं। दसअसल, सपना की ये तस्वीर आज की नहीं कई महीनों पुरानी है। सपना की इस तस्वीर को उनके फैंन पेज पर शेयर किया गया है। इस तस्वीर में आप देख सकते हैं कि वह पीले रंग की साड़ी के साथ लाल रंग का चुनरी सिर पर डाले नजर आ रही हैं। वहीं उन्होंने मांग में सिंदूर, हाथों में भरी-भरी चूड़ियां और गले में मंगलसूत्र पहना हुआ है। वहीं सपना अपने बेबी बंप पर हाथ रखे हुए बेहद ही खुश दिख रही हैं। डांसर की इस तस्वीर को उनके फैंस काफी पंसद कर रहे हैं। वहीं इस पर उनके फैंस हॉर्ट, गुडलक इमोजी के साथ उन्हें बधाई दे रहे हैं ।आपको बता दें कि बीते साल यानी 2020, अक्टूबर में सपना चौधरी के अचानक मां बनने की खबर ने सभी को हैरान कर दिया था। सपना ने एक बेटे को जन्म दिया है। मां बनने की खबर को लेकर वह काफी सुर्खियों में रही थीं। इस खबर के सामने आने के साथ ही सपना की शादी की खबर का भी खुलासा हुआ। सपना ने जनवरी में हरियाणवी सिंगर, राइटर और मॉडल वीर साहू से कोर्ट मैरिज किया था ।सपना चौधरी के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह इन दिनों एंड टीवी के एक क्राइम शो %मौका-ए-वारदात%में रवि किशन और मनोज तिवारी के साथ शो को होस्टकरती हुई भी नज़र आ रही हैं। इसके अलावा सपना ने हरियाणवी इंडस्ट्री के साथ, भोजपुरी, पंजाबी और बॉलीवुड इंडस्ट्री में भी काम किया है। उन्होंने बॉलीवुड में %दोस्ती के साइड इफेक्ट्स% फिल्म से डेब्यू किया था। बता दें कि सपना चौधरी %बिग बॉस 11% का हिस्सा रह चुकी हैं।

जानकारी देते पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बहुगुणा

3 चोरों की किस्मत ने दिया धोखा

बैंक और 1 एटीएम में सिर्फ तोड़फोड़ ही कर पाए, पुलिस ने दबोचा

जबलपुर। अधारताल स्थित एक एटीएम में तोड़फोड़ कर चोरी का प्रयास करने वाले 6 आरोपियों ने तीन बैंकों को निशाना बनाकर, चोरी का प्रयास किया। लेकिन हर वार अपने मंसूबों पर असफल होते गए और नतीजा यह हुआ कि एटीएम में चोरी करने के प्रयास में पुलिस के हत्थे चढ़ गए। पुलिस ने थाना अधारताल अंतर्गत एटीएम और बैंक में चोरी की योजना बना रहे शातिर चोरों को दबोच लिया। जिनके कब्जे से पुलिस ने हथियार भी बरामद किए है। थाना अधारताल में राजेन्द्र कुमार नागपुरे उम्र 54 वर्ष निवासी शिवनगर कालोनी अधारताल ने रिपोर्ट दर्ज करायी थी कि वह यूको बैंक अधारताल में मैनेजर के चार्ज मेन है । आज सुबह लगभग 11 बजे बैंक आया तो देखा कि शाखा परिसर में पीछे की दीवाल जो कैश शाखा के पास है, को अज्ञात चोरों द्वारा दरम्यानी रात में दीवाल खोदकर परिसर में घुसकर चोरी करने का प्रयास किया है। वहीं, थाना अधारताल में योगेन्द्र नंदनवार उम्र 61 वर्ष निवासी न्यू जगदम्बा कालोनी विजयनगर ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि वह एसबीआई एटीएम चैनल जिसमें एसबीआई के 45 एटीएम है उनका मैनेजर है। एटीएम की देखरेख का कार्य उसे ही करना पड़ता है एसबीआई का एक एटीएम खरपतवार के बाजू में है एटीएम में पैसा डालने लडके गये थे तो बताये कि रात का एटीएम में तोड़फोड़ की गयी है। पुलिस ने दोनों मामले दर्ज कर, मामला विवेचना में लिया।

फिल्मी स्टाईल में की घेराबंदी

कार्रवाई के दौरान पुलिस द्वारा सी.सी.टी.व्ही. फुटेज खंगाले गये एवं आरोपियों की सरगर्मी से पतासाजी की जा रही थी । जिसके चलते देर रात पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि व्हीकल मोड के आगे ओवर ब्रिज के नीचे बन रहे काली मंदिर के पास 5-6 लड़के छिपकर बैठे हैं जो आपस में बात कर रहे है कि आज रात में बैंक ऑफ बडौदा में चोरी करना है, बदमाश लोग लोहे की रा? आदि रखे हैं। जिसक बाद पुलिस ने फिल्मी स्टाईल में घेराबंदी करते हुये पुल के पिलर की आड़ लेकर, लुकते-छिपते मंदिर के पीछे पुलिस पार्टी पहुंची, 5-6 लोग बैठकर आपस मे बाते करते हुये दिखे कि और रात हो जाने दो रात्रि में बैंक ऑफ बडौदा मे चोरी करना है जिन्हे घेराबंदी कर पकड़ने के लिये आगे बढ़ी, लेकिन शातिर बदमाश पुलिस को देखकर भागने लगे। जिसके बाद पुलिस ने दौड़कर आरोपियों को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपी शंभू गुप्ता निवासी ग्राम इमलई थाना पनागर ,गोलू उर्फ हरेन्द्र सिह पिता सुरेन्द्र सिह राजपूत उम्र 21 साल निवासी जगमोहन वार्ड जय अंबे कालोनी पनागर, मोह. हसनैन खान निवासी पठानी मोहल्ला थाना पनागर, परमूलाल उर्फ छोटू केवट निवासी ग्राम उमरिया थाना पनागर , सचिन केवट निवासी ग्राम उमरिया कर्धा थाना पनागर ,अली अब्बास निवासी पठानी मोहल्ला थाना पनागर की तलाशी लेने पर कब्जे में एक बका, एक बटनदार चाइना चाकू, एक सब्बल, हथौडा, एक पेचकस, एक लोह का पाइप, चाबी का गुच्छा, एक टार्च, लाल मिर्च का पाऊडर, लोहे की हैक्सा ब्लेड, राजश्री पानमसाला गुटखा रखा मिला।

चोरी की बनाई थी योजना

सघन पूछताछ करने पर सभी ने पुलिस को बताया कि पूरी योजना बनाकर बैक आंफ बडौदा करौंदा में चोरी करने की योजना बनाई थी। इतना ही नहीं महाराजपुर स्थित पंजाब एण्ड सिंध बैक के एटीएम को तोड़कर तथा अधारताल क्षेत्र अंतर्गत यूको बैंक में दीवाल तोड़कर एवं खरपतवार के पास एस.बी.आई. एटीएम में तोड़फोड़ कर रुपए चोरी का प्रयास करने की बात कुबूली।

सुबह देखा तो फांसी के फंदे पर झूल रहा था पति

जबलपुर। चरगवां थाना अंतर्गत सेमरा ग्राम में अत्यधिक शराब का सेवन करने वाला 38 वर्ष युवक ने अज्ञात कारणों के चलते बीती रात अपने घर के कुछ दूर सागौन के पेड़ से फांसी का फंदा बनाया और उससे झूल कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। पत्नी सुबह सोकर घर के बाहर निकली तो देखा कि पति फांसी के फंदे पर झूल रहा है । इस घटना की जानकारी लगते ही काफी भी? जमा हो गई । मौजूद लोगों द्वारा दी गई सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची पुलिस ने फंदे पर लटक रहे शव को नीचे उतारने के बाद प्रारंभिक कार्रवाई के उपरांत पोस्टमार्टम के लिए रवाना कर पड़ताल शुरू कर दी है। इस संबंध में पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सेमरा गांव का रहने वाला 38 वर्षीय गिरवर मुरारीलाल झारिया शराब पीने का आदि था जिसके कारण हुआ है मानसिक तनाव में रहता था बीती रात उसने घर पर खाना खाया और इधर-उधर घूमता रहा जब घर के लोग गहरी नींद में सो गए तो वह घर के बाहर बाडी मैं लगे सागौन के पेड़ में फांसी का फंदा बनाया और उससे झूल कर खुदकुशी कर ली घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है।

गोहलपुर में तैयार हो रहे थे नकली नोट

जबलपुर,यशभारत। गोहलपुर के समता कॉलोनी में नकली नोट बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। उक्त गिरोह काफी लंबे समय से इस गोरखधंधे को अंजाम दे रहे थे और कई क्षेत्रों में अपने एजेंटों के माध्यम से नकली नोटों की खपत की गई है। आज हनुमानताल और गोहलपुर पुलिस को सूचना मिली की समता कॉलोनी में बड़ी तादात में नकली नोट बनाए जा रहे है। इसकी जानकारी सीएसपी अखिलेश गौर को लगी तो उन्होंने दोनों थाना प्रभारियों सहित टीम के साथ समता कॉलोनी में दबिश दी। जहां पर 4 लाख के नकली नोट बरामद किए गए।

पुलिस की रेड 4 लाख के नकली नोट जब्त, आरोपी गिरफ्तार

प्रिंटर और नोट बनाने वाले कागज जब्त

सीएसपी अखिलेश गौर ने इस पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया कि नकली नोट बनाने का गोरखधंधा समता कॉलोनी में रहने वाला नरेश आसवानी काफी समय से कर रहा था। आज सूचना मिली कि नरेश आसवानी बड़ी तादात में नकली नोट छापकर घर पर रखा है। पुलिस टीम के साथ दबिश दी गई तो आरोपी के घर में करीब 4 लाख रुपए की नकली नोट, प्रिंटर और नोट बनाने वाले कागज बरामद किए गए है।

ऐसे बनाए जा रहे थे नोट

पुलिस कार्रवाई के दौरान प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी 50, 100, 200 और 500 के नकली नोट बड़ी ही आसानी से बना रहा था। पुलिस अब यह पता करने में जुटी है कि आरोपी ने यह नकली नोट किन क्षेत्रों में और किन के माध्यम से नोट खपाए है।

गिरोह के सदस्या का नहीं चल सका पता

अभी तक पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों तक नहीं पहुंच सकी है। लेकिन बताया जा रहा है कि शहर के अन्य सफेदपोश लोग भी पुलिस कार्रवाई की जद में आ सकते है। पुलिस कार्रवाई जारी है।

फोटो- बबलू रजक

खजरी बाईपास और भेड़ाघाट रोड पर सड़क हादसा

दो की मौत, तीन घायल

जबलपुर। एनएच-30 और भेड़ाघाट रोड पर दर्दनाक सड़क हादसों में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गयी है तो वहीं तीन लोग बुरी तरह घायल हो गए। खजरी बाईपास पर जहां तेज रफ्तार जीप ने पीछे से बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार 60 वर्षीय वृद्धा की मौत हो गई। वहीं 28 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। वहीं भेड़ाघाट रोड पर हुए हादसे में घायल 55 वर्षीय व्यक्ति ने दम तोड़ दिया। दो अन्य हादसे में दो और घायल हुए हैं। अधारताल पुलिस के अनुसार खजरी बाईपास पर सोमवार रात को एक्सीडेंट की सूचना मिली थी। घटनास्थल पर बाइक एमपी 20 एमएस 3990 क्षतिग्रस्त हालत में पड़ी थी। वहीं जीप एमपी 66 टी 2288 भी रोड किनारे खड़ी मिली। उसका बाए तरफ का पहिया भस्ट हो गया था। बाइक के पास ही वृद्धा मृत हालत में पड़ी थी। उसके सिर फटा हुआ था।

घर लौट रही थी वृद्धा

वृद्धा की पहचान मड़ई रिछाई रांझी निवासी दोजा बाई (60) वर्ष निवासी मडई रिछाई रांझी के रूप में हुई। वहीं युवक की पहचान झंडा चौक निवासी वीरेन्द्र चक्रवर्ती के रूप में हुई। अधारताल पुलिस के मुताबिक दोजाबाई रिश्तेदारी में गई थी। घटना से पहले सभी घर लौट रहे थे। तभी खजरी बायपास के पास पीछे से जीप ने टक्कर मार दी। वीरेंद्र को आसपास के ग्रामीणों ने पहले ही एम्बुलेंस बुलाकर अस्पताल भिजवा दिया था। अधारताल पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहन जब्त कर लिया है।

घायल ने दम तोड़ा

भेडाघाट रोड पर हवेली ढाबा के पास एक्सीडेंट में लालबाबा धनवंतरी नगर निवासी परमलाल बर्मन (54) घायल हो गया। उसे गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज में भिजवाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

गढ़ा व खितौला में 2 की मौत

वहीं गढ़ा सुलभ कॉम्प्लेक्स के सामने बाइक एमपी 22 एमके 5364 की टक्कर से दिनेश कुमार घायल हो गया। वह पैदल रोड क्रास कर रहा था। उसके पैर में चोटें आई हैं। जबकि खितौला में तेज रफ्तार वेन एमपी 21 बीए 0602 ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार वार्ड नंबर 16 खितौला निवासी अयूब खान घायल हो गया।

बरेला के हिनौतिया में पुजारी की नृशंस हत्या

पुजारी की लाश व शोकाकुल परिजन

जबलपुर। बरेला थाना अंतर्गत ग्राम हिनौतिया में करीब 75 साल के एक रिटायर्ड वृद्ध कर्मचारी को देर रात ग्राम के शिवमंदिर स्थित मंच के पास धारदार हथियार से दनादन वार कर मौत के घाट उतार दिया गया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। गांव की सभी दुकानें बंद है और लोग घरों में दुबके हुए हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बरेला पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम हिनौतिया निवासी अशोक मार्को ने पुलिस को बताया कि उसके पिता गोपाल मार्को उम्र 70 वर्ष को देर रात कोई अज्ञात धारदार हथियार घोंपकर फरार हो गए। जिसकी वृद्ध की मौके पर ही मौत हो गयी। मृतक शिवमंदिर का पुजारी था और रोज पूजा-पाठ किया करता था। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

शिव मंदिर के पास मिली रक्तरंजिश लाश

संदेहियों को लिया हिरासत में

सूत्रों ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि हत्या के बाद पुलिस परिजनों और ग्रामीणजनों के बयान दर्ज कर रही है। हत्यारे मृतक के परिचित ही बताए जा रहे है। लिहाजा पुलिस ने कुछ संदेहियों को हिरासत में लिया है। लेकिन अभी तक हत्यारों का सुराग नहीं लग सका है। इस घटना के संबंध में पुलिस ने बताया कि गोपाल प्रसाद मार्को का भोजन उसके घर से परिजन लाकर देते थे बीती रात 10:30 बजे उसके परिजन भोजन लेकर आए थे और उसके साथ में खाना भी खाया था इसके बाद वह घर चले गए थे । पुलिस ने बताया कि मृतक गोपाल प्रसाद मार्को पर अज्ञात हमलावरों द्वारा धारदार हथियार से चेहरे पर ताबड़तोड़ हमला किया हथियार के तीन निशान भी मृतक के चेहरे पर मिले पुलिस पूरे घटनाक्रम के संबंध में विभिन्न बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए घटना की पड़ताल करने में लगी हुई।

इनसेट में मृतिका जांच करते पुलिस अधिकारी।

पत्नी से मारपीट कर सो गया पति, सुबह किचिन में झूलती मिली

जबलपुर। मदनमहल थाना अंतर्गत शिवनगर में अलसुबह एक महिला ने आत्महत्या कर मौत हो गले लगा लिया। परिजनों का आरोप है कि पति ने पीड़िता से रातभर मारपीट कर सो गया, जिसके बाद सुबह पत्नी ने किचिन में फांसी लगाकर, बेदर्द मौत को गले लगा लिया। वहीं परिजनों का आरोप है कि आरोपी पति ने ही अपनी पत्नी को मारकर, फंदे पर लटका दिया है। अब पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मिली जानकारी के अनुसार शिवनगर में अमित पटैल रहता है। उसने बताया कि गत रात सब लोग खाना खाकर सोने चले गए। आज सुबह जब आंख खुली तो उसकी 28 वर्षीय पत्नी श्रीमती सपना पटैल कमरे में फांसी पर लटकी मिली। उसने तुरंत परिजनों को खबर की ओर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आकर शव को नीचे उतारा और प्रारंभिक कार्यवाही के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच शुरू कर दी। मृतका के पति अमित पटेल ने बताया कि वह पेंटर है। सोमवार को उसकी पत्नी सपना कहीं सुहागलों में गई थी उसके साथ भाभी और मौसी भी थी। लौटने पर उसने कहा कि मुझे भी काम करना है पर मैंने मना कर दिया। उसके बाद में काम से चला गया। लौटा तो पता चला कि मना करने के बाद भी वह भाभी और मौसी के साथ किसी वकील के यहां गई, जब लौटने पर मैंने कहा कि मना किया तो क्यों गई। कल रात भी मैंने उससे कहा था कि तुम्हें काम करने की आवश्यकता नहीं है। जिससे वह नाराज हो गई । पर मुझे यह आभास नहीं हो पाया कि सपना आत्मघाती कदम उठा लेगी। इसके पहले भी वह काम कर रही थी पर मुझे यह नापंसद था। तो मैंने उस समय काम छुडवा दिया था। क्योंकि मेरी आमदनी इतनी हो जाती है कि मैं अपने दो बच्चों व पत्नी को पाल सकूं। वहीं, परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस इस घटना कर जांच में जुटी है।

परिजनों का आरोप- हत्या कर लटकाया शव

घमापुर,कांचघर में 6 दुकानों के एक-साथ टूटे ताले

नगदी और दुकानों का सामान लेकर चोर रफूचक्कर

जबलपुर,यशभारत। शहर में अनलॉक के बाद शातिर चोरों का दुस्साहश अब पुलिस को चुनौती दे रहा है, जिसके चलते महकमें के आला अधिकारी पशोपेश में है। बीती रात घमापुर के कांचघर स्थित 6 दुकानों के एक-साथ ताले तोड़कर शातिर चोर नगदी और दुकानों का माल लेकर रफूचक्कर हो गए। इस घटना के बाद पुलिस और जीसीएफ की कार्यप्रणाली कटघरे में है। वहीं क्षेत्र में चोरी की घटना के बाद हड़कंप की स्थिति है। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि देर रात कांचघर स्थित टपरेनुमा दो गैरिज, पान दुकान, कपड़े, टेलर्स और चिकिन की दुकानों को निशाना बनाकर शातिर चोरों ने एक-साथ सभी दुकानों के ताले तोड़कर सामान और कुछ नगदी पार कर, फरार हो गए। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। वहीं गैराज के दुकान संचालक कैलाश प्रजापति ने बताया कि जीसीएफ का गार्ड ड्यूटी में आता ही नहीं है, तो वहीं पुलिस भी देर रात गश्त नहीं देती, जिससे पुलिस के हौसले सांतवे आसमान पर है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि चोर हनुमानताल की टोरिया से देर रात आकर, वारदात को अंजाम देते हे और फिर वहीं से गायब हो जाते है। जिसके चलते वह साफ बच जाते है। पुलिस अब आरोपियों को पकड़ने सीसीटीव्ही फुटेज भी खंगाल रही है।

फोटो- अशोक बर्मन

SONY Panasonic INTEX Kurl-on Haier
Godrej SAMSUNG USHA PHILIPS & All Product
आसान किश्तों पर आसान शर्तों पर
बेटी की शादी का पूरा फर्नीचर सागौन द्वारा निर्मित
मिश्रा फर्नीचर्स एण्ड इन्टरप्राइजेज
सरकारी कुंआ, शीतलामाई रोड, जबलपुर फोन नं. 2626496 मो. 9827235010
शादियों के लिए विशेष पैकेज उपलब्ध
फर्नीचर्स वारंटी पर उपलब्ध

होम डिलेवरी के लिए लड़कों की जरूरत
Pure & Tasty AK's Special Jabalpur
मो. 9827681910
गर्मी के मौसम में स्पेशल सत्तू चने का उपलब्ध है। अब हमारे नये शोरूम गोरखपुर में
अशोक कुमार
अजित कुमार
गुलाबी चना, मुरमुरा, बोल्ड चना, केला चिप्स, बोल्ड पीनट, मसाला चना, ड्राय मेल, चना जौर गर्म
प्रियदर्शनी एवं सेवा केन्द्र मढ़ाताल में उपलब्ध
ब्रांच-अशोक कुमार, अजित कुमार पुराना लेबर कोर्ट, नर्मदा रोड, गोरखपुर, जबलपुर

अब नई श्रृंखला के साथ
KARAN SHOES
MALVIYA CHOWK | ANAND CINEMA ROAD NEAR 4th BRIDGE | KATANGA CROSSING | NAYA BAZAR MALVIYA CHOWK

ॐ शांति ॐ शांति ॐ शांति ॐ शांति || जय बाबा मसान || ॐ शांति ॐ शांति ॐ शांति ॐ शांति
"आपका साथी" एवं सम्पूर्ण समाधान मृत्यु उपरांत
दाह संस्कार पूजन सामग्री
एवं पूजन, पंडित व्यवस्था प्रतिष्ठान
दाह संस्कार से संबंधित सम्पूर्ण सामग्री आपके बताये पते पर भेज दी जावेगी
9111712445, 8871253911 9111712445,7999526101
दाह संस्कार सामग्री | खारी/ तीसरे दिन की पूजन सामाग्री | दशगात पूजन | बारहवीं, तेरहवीं गंगाजली पूजन
दुकान पता: "आपका साथी" बल्देवबाग पेट्रोल पम्प के पास स्मॉल वण्डर स्कूल के सामने, उखरी रोड, जबलपुर

सुपरस्पेशयालिटी पेट एवं लिवर रोग क्लीनिक
डॉ. मनीष तिवारी
M.B.B.S., MD, DM Gastroenterology Member of American college of Gastroenterology Consultant Gastroenterologist, Shailby Hospital Super Speciality Gastro & Liver Clinic Jabalpur
उपचार की सुविधायें
पेट में लंबे समय से तकलीफ
लिवर से संबंधित बीमारियां
पेंक्रियाज से संबंधित बीमारियां
पाचन से जुड़ी हुई परेशानियां
पता सुपरस्पेशयालिटी पेट एवं लिवर रोग क्लीनिक उखरी तिराहा, विजयनगर, जबलपुर
परामर्श के लिये संपर्क करें- 8085257585, 0761-4004867

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा एन.एम. पब्लिकेशन प्रा.लि. उखरी चौक जबलपुर से मुद्रित एवं 160/जी, जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*। फोन (0761) 2643333, 2646666, फैक्स : 4084085। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/19-21 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)